TEACHERS OF BIHAR

The Change Makers

वर्ष - 1 | माह - जुलाई 2021 | अंक - 6

e-magazine

www.teachersofbihar.org

अनुक्रमणिका

1. अपनी बात ____ 2—4
2. हमारे ब्लॉग्स ____ 5—6
3. पद्य-पंकज ____ 7—14
4. गद्य-गुंजन ____ 15
5. Let's Talk ____ 16—20
    - कोरोना जागरूकता एवं कोरोना वैक्सिनेशन
    - राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2021
    - अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस
    - संयुक्त राष्ट्र की पहल 'वेरिफाइड' का समर्थन
6. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विविध कार्यक्रम ____ 21—22
7. कहानी की बूँदें (पॉडकास्ट) ____ 23—25
8. ऑनलाईन क्विज प्रतियोगिता ____ 26—27
    - कोविड-19 से संबंधित
    - योग से संबंधित
9. शिक्षक-गाथा ____ 28—29
    - शिक्षक-गाथा 2021
    - बीपीएससी की संयुक्त प्रतियोगिता में सफल शिक्षक
10. ज्ञान दृष्टि के अंतर्गत महासागर दिवस ____ 30
11. दीक्षा ऐप और इससे जुड़े कोर्स ____ 31
12. 'बेटी बचाओ' पर एक मार्मिक गीत ____ 32
13. इस माह खबरों में ____ 33—36
14. हम से जुड़ें ____ 37—38

अपनी बात

"टीचर्स ऑफ बिहार : द चेंज मेकर्स" एक सक्रिय शैक्षिक मंच है, जो प्रदेश में शैक्षिक विस्तार के लिए पूरी मुस्तैदी के साथ सदैव प्रतिबद्ध रहता है। यह प्रदेश में शैक्षिक प्रगति के साथ-साथ बच्चों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी क्रियाकलापों पर भी फोकस रहता है। इस मंच से जुड़े सैकड़ों शिक्षक बिहार में शिक्षा की बेहतरी के लिए अनेक नवाचार एवं नवीन शैक्षिक गतिविधियां करते रहते हैं, जो टीओबी मंच के माध्यम से अन्य विद्यालयों के शिक्षकों एवं बच्चों में शिक्षा एवं शिक्षण के प्रति जागरूकता फैलाते हैं।

कोरोना काल में जब विद्यालय पूरी तरह बंद हैं, ऐसी स्थिति में 'टीचर्स ऑफ बिहार' से जुड़े कई शिक्षक बच्चों को ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं, सह-शैक्षिक गतिविधियां प्रस्तुत कर रहे हैं और घर पर ही ऑनलाइन मोड में बच्चों को पढ़ने के लिए पाठ्य-सामग्रियाँ उपलब्ध करा रहे हैं।

'टीचर्स ऑफ बिहार' शिक्षकों एवं बच्चों के लिए अनुकूल विभिन्न प्रकार के विषयों पर जानकारी देने के लिए विषय-विशेषज्ञों को आमंत्रित करता है और उनके साथ हो रही परिचर्चा का अपने फेसबुक पेज पर लाइव प्रसारण करता है। इस लाइव प्रसारण से जुड़कर कई शिक्षक और विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं।

कोरोना काल के भीषण संकट से उबरने के बाद 'टीचर्स ऑफ बिहार' के ई-मैगजीन का यह छठा अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। इस अंक में 'टीचर्स ऑफ बिहार' द्वारा दीक्षा ऐप और इससे

जुड़े कोर्स का संकलन किया गया है। कोरोना से बचाव तथा कोरोना के वैक्सीनेशन पर जागरूकता फैलाने के लिए की गई परिचर्चा का भी इस अंक में कवरेज किया गया है। इसमें राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार को लेकर बिहार के शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पूर्व में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के साथ की गयी परिचर्चा का भी संकलन किया गया है ताकि इस पुरस्कार में भाग लेने के लिए पूरे बिहार में एक माहौल बन सके और अधिक से अधिक शिक्षक इस पुरस्कार प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उत्साहित हो सकें।

इस अंक में बिहार के ऐसे शिक्षकों की भी गौरव-गाथा लिखी गयी है जिन्होंने अपनी प्रतिभा एवं परिश्रम से बिहार लोक सेवा आयोग के द्वारा आयोजित 64वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त कर शिक्षक समुदाय का मान बढ़ाया है। ‘पॉडकास्ट’ चैनल के माध्यम से मोनिका दयाल की आवाज में ‘कहानी की बूँदें’ शीर्षक से मज़ेदार कहानियों की श्रृंखला प्रस्तुत की जा रही है, इस रोचक प्रस्तुति का भी संकलन इस अंक में किया गया है।

इस अंक में टी.ओ.बी. के द्वारा योग दिवस पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों यथा- योग दिवस पर परिचर्चा, वीडियो प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, आलेख प्रतियोगिता, योगासन का लाइव प्रसारण, फोटो प्रतियोगिता आदि का संकलन किया गया है। इसमें ब्लॉग्स, गद्य-गुंजन, पद्य-पंकज आदि भी स्तंभ संकलित हैं।

‘टीचर्स ऑफ बिहार’ ई-मैगजीन का छठा अंक काफी रोचक और ज्ञानवर्धक है। यह शिक्षकों और बच्चों में योग के प्रति संवेदनशीलता उत्पन्न करने में सहायक है। योग को अपनाकर उन्नत जीवन शैली की ओर कदम

बढ़ाने के लिए भी शिक्षकों और बच्चों को प्रेरित करने का प्रयास किया गया है।

उम्मीद है कि ई-मैगजीन का यह छठा अंक आप सभी पाठकों को रूचिकर और ज्ञानवर्धक लगेगा तथा बिहार के शैक्षिक परिदृश्य को समृद्ध करेगा।

शुभकामनाओं सहित....

संपादक

चंद्रशेखर प्रसाद साहु
(राजकीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित)
प्रधानाध्यापक
कन्या मध्य विद्यालय कुटुम्बा,
औरंगाबाद (बिहार)
मो. 8092131203
E-mail : shekharsahu78@gmail.com

हमारे ब्लॉग्स

कोरोना को हराना है-चॉंदनी झा

सम्मान की भावना का महत्व-विजय सिंह नीलकण्ठ

गणित और गणित की प्रकृति-धीरज कुमार

ज्यामिति शास्त्र का जनक यूक्लिड-हर्ष नारायण दास

योग प्राणायाम और हमारा स्वास्थ्य-भवानंद सिंह

21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-मधु प्रिया

योग साधना की मौलिक बाते-मनोज कुमार दुबे

योग दिवस-आंचल शरण

योग का महत्व-रीना कुमारी

योग ने महापुरुष बनाया-कुमारी अनु साह

मैं हूँ योगदूत-अनुज कुमार वर्मा

योग एक अनमोल वरदान-देव कांत मिश्र 'दिव्य'

[योग बनाएं निरोग-मधु कुमारी]

[योग ही रोग का मुक्ति मार्ग है-एम० एस० हुसैन "कैमूरी"]

पद्य-पंकज

मैं हूं नारी-अशोक कुमार -

मोबाइल फोन-अनुज कुमार वर्मा

विश्व पर्यावरण दिवस-अनुपमा अधिकारी

वैज्ञानिक आविष्कार-नीभा सिंह

मानव धर्म-भवानंद सिंह

टूटती कविता-गिरिधर कुमार

निज संस्कृति-दिलीप कुमार गुप्त

महिलाएँ एवं कुटीर उद्योग-गौतम भारती

हम ऐसे क्यों हैं-विवेक कुमार

पालनहारा-संगीता कुमारी सिंह

पिता-सुरेश कुमार गौरव

नशा मुक्ति अभियान-जैनेन्द्र प्रसाद रवि

सुख दुःख-लवली वर्मा

प्रकृति माँ-कुमकुम कुमारी

मैं तुम्हें नमन करता हूंं-मनोज कुमार दुबे

जीवन अभी बाकी है-मधु कुमारी

Mother-Rohit kumar

साईकिल-एम० एस० हुसैन "कैमूरी"

सरिता-मनु कुमारी

बचपन की यादें-नूतन कुमारी

दोस्त-मुकेश कुमार

सोचो कैसे बच पाओगे-विजय सिंह नीलकण्ठ

है आस होंगे पास-विवेक कुमार

School on mobile से फर्क पड़ता है-धीरज कुमार

कोरोना-स्मृति कुमारी

हम अबला नहीं सबला हैं-रीना कुमारी

लक्ष्य-रूचिका

वीर जवान सरहद पर जाते-डॉ. स्नेहलता द्विवेदी 'आर्या'

माता पिता-स्नेहलता द्विवेदी 'आर्या'

अपना गांव तथा बचपन–शुकदेव पाठक

चिड़िया की आंख-सुधीर कुमार

दोहावली-विनय कुमार 'ओज'

सरस्वती वंदना-मनोज कुमार मिश्र

उंगलियां अब व्हाट्सएप चला रही हैं-सैयद जाबिर हुसैन

रंग-आंचल शरण

मां नर्मदा-अपराजिता कुमारी

वसुधा-डॉ.अनुपमा श्रीवास्तवा

मंजिल-अर्चना गुप्ता

मछली रानी-अशोक कुमार पद्य पंकज

नटखट कान्हा-अनुज कुमार वर्मा

बचपन के दिन-चाँदनी समर

We shall overcome-Manju Rauth

गाँव-मुकेश कुमार

पिता का चरित्र-भोला प्रसाद शर्मा

जोड़ घटाव-बीनू मिश्रा

प्रार्थना-देव कांत मिश्र 'दिव्य'

कागज़ की आत्मकथा-एस. के. पूनम

मोबाईल की दुनियां-सुरेश कुमार गौरव

यादों का वातायन-दिलीप कुमार चौधरी

पथिक-दिलीप कुमार गुप्त

सीखना जैसे जीना-गिरिधर कुमार

कौतूहल भरा वो दिन-विवेक कुमार

Save your life-Vijay Singh Neelkantha

पिता-गिरिधर कुमार

पिता-ब्यूटी कुमारी

मेरे पापा-ब्रम्हाकुमारी मधुमिता

ऐसे होते हैं पापा-अनुपमा अधिकारी

रोग भगाए योग-विवेक कुमार

उन्हें समर्पित हर दिन-अपराजिता कुमारी

जुड़े आप-कुमारी निरुपमा

मेरे पापा-मुकेश कुमार

Teachers of Bihar The Change Makers-Manju Rauth

मेरा भारत-मनोज कुमार मिश्र

विलोम शब्द का ज्ञान-विजय सिंह नीलकण्ठ

आइस पाईस-मनोज कुमार दूबे

वीर नहीं घबराते-मधु कुमारी

पल भर की जिन्दगी-एम० एस० हुसैन कैमूरी

जो आया है सो जाएगा-ब्रम्हाकुमारी मधुमिता 'सृष्टि '

मंजिल तो पाना होगा-नूतन कुमारी

देश उनको नमन करेगा-मनु कुमारी

गुरु का वंदन-विवेक कुमार

उम्मीदें-प्रियंका दुबे

पैसे पेड़ पर नहीं उगते-धीरज कुमार

वेद की ओर लौटें-कुमारी निरुपमा

जिंदगी अब ऑनलाइन बनकर रह गई-मंजू रावत

तोता-नरेश कुमार "निराला"

फल की विशेषता-रुचिका

वर्णमाला-सुधीर कुमार

मिट्टी की महक - डॉ.अनुपमा श्रीवास्तवा

पंछी-अशोक कुमार

मेरे पिता मेरे भगवान-रीना कुमारी

योग से जीवन सुंदर बनाएं-नूतन कुमारी

योग-रूचिका

करें योग रहें निरोग-मधु कुमारी

योग-अशोक कुमार

योग दिवस-गिरिधर कुमार

योग और आध्यात्म-कुमकुम कुमारी 'काव्याकृती'

जीवन का आधार-भोला प्रसाद शर्मा

करो योग रहो निरोग-भवानंद सिंह

योग-डॉ स्नेहलता द्विवेदी 'आर्या'

योग एक संकल्प-लवली वर्मा

आओ बच्चों योग करें हम-रीना कुमारी

योग-अर्चना गुप्ता

योग का करो नित्य प्रयोग-ब्रहमाकुमारी मधुमिता

[योग करें-मनोज कुमार दुबे]

[योग से निरोग-मुकेश कुमार]

[मैं योग को चला-एम० एस० हुसैन "कैमूरी"]

[योग करें-नीभा सिंह]

[योग सबके लिए-चंद्रशेखर कुमार गुप्ता]

[योग दिवस-आंचल शरण]

[योग स्वयं को जानने की कला है- नरेश कुमार 'निराला']

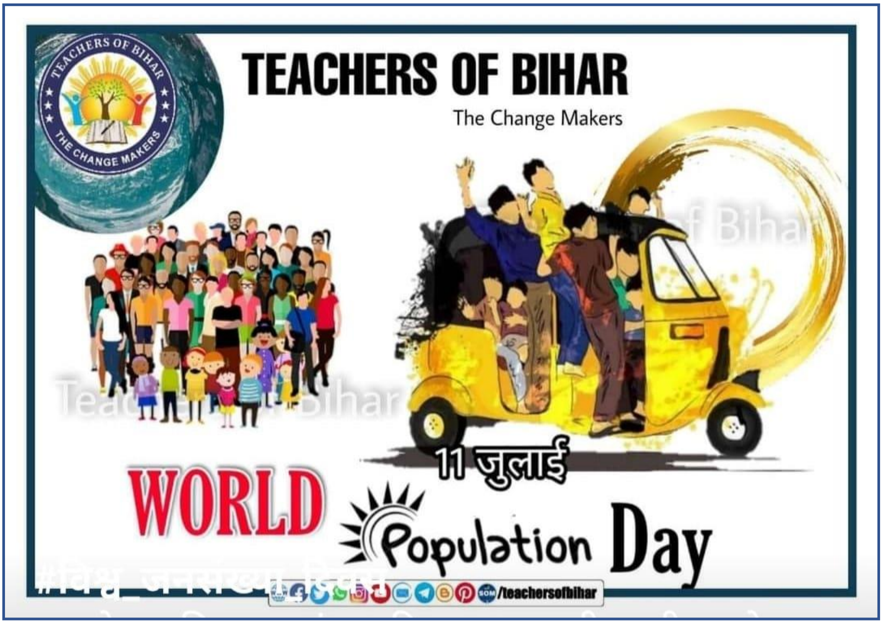

गद्य-गुंजन

योग की महिमा-सुधीर कुमार

मैं हूं योगदूत-बीनू मिश्रा

योग और स्वास्थ्य-लवली कुमारी

हिंदी की बिंदी-बीनू मिश्रा

हमारी संस्कृति का प्रतीक गंगा-देव कांत मिश्र 'दिव्य'

कृतज्ञता-कुमारी निरुपमा

भरत चरित्र में त्याग संयम धैर्य और ईश्वर प्रेम-मनोज कुमार दुबे

महान गणितज्ञ पाइथागोरस-हर्ष नारायण दास

करें योग रहें स्वस्थ-सुरेश कुमार गौरव

आओ हम योग करें-अशोक कुमार

पिता-नूतन कुमारी

महामारी और शिक्षा-कुमारी निरुपमा

कोरोना जागरूकता एवं कोरोना वैक्सिनेशन

'टीचर्स ऑफ बिहार' के एक्सक्लूसिव Let's Talk कार्यक्रम में प्रख्यात विशेषज्ञों, डॉक्टर एवं जर्नलिस्ट ने कोविड-19 और वैक्सिनेशन को लेकर मिथकों एवं भ्रामक सूचनाओं का पर्दाफाश किया।

विडियो देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें- [(20+) Teachers of Bihar – Posts | Facebook]

विडयो देखने के लिए *फोटो पर क्लिक* करें।

दैनिक भास्कर अररिया 13-06-2021

जागरूकता को ले वेबिनार • वेरीफाइड के समर्थन में टीचर्स ऑफ बिहार ने किया लेट्स टॉक का आयोजन

पहले डोज में कोविशील्ड लिए तो दूसरा भी यही लें : डॉ. मधु

भास्कर न्यूज | बथनाहा

शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर संयुक्त राष्ट्र की पहल वेरिफाइड के समर्थन में जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक्सक्लूसिव कार्यक्रम लेट्स टॉक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में बिहार के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान आईजीआईएमएस पटना के सहायक प्रोफेसर डॉ. सेतु सिन्हा, सहायक प्रोफेसर डॉ अर्चना सिन्हा, एम्स पटना के एडिशनल प्रोफेसर डॉ संजीव कुमार स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ मधु गुप्ता एवं प्रतिष्ठित प्रिंट मीडिया "टाइम्स ऑफ इंडिया" के संपादक पीयूष त्रिपाठी शामिल हुए। लेट्स टॉक कार्यक्रम में शामिल अतिथि डॉ मधु गुप्ता स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ ने कहा कि कोविड टीकाकरण के संबंध में बहुत सी भ्रांतियां फैली है। यह सभी बेबुनियाद है। यदि प्रथम डोज के रूप में यदि कोविशील्ड का टीका लिया गया है तो दूसरे डोज में भी कोविशील्ड का ही टिका लिया जाना है।

लोटस टॉक कार्यक्रम में उपस्थित डॉक्टर तथा अन्य।

बच्चों के लिए भी जल्द ही टीका की होगी सुविधा

डॉ. अर्चना सिन्हा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा केवल गर्भवती के लिए कोविड का टीकाकरण वर्जित किया गया है परन्तु स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए अब टीकाकरण की अनिवार्यता शुरू कर दी गई है। डॉ. सेतु सिंहा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि कोविड का टीका लेने के उपरांत भी कोरोना संक्रमण होने का खतरा बना रहता है। इसीलिए टीकाकरण के बावजूद सुरक्षा जरूरी है। आने वाले समय में बच्चों के लिए भी टीकाकरण की सुविधा जल्द ही उपलब्ध होगी। इसके लिए ट्रायल चल रहा है।

यूएएसए और कैलिफोर्निया के लोगों ने भी पूछा सवाल

लेट्स टॉक के फेसबुक लाइव कार्यक्रम में शामिल अतिथियों से बिहार के हजारों शिक्षकों ने महत्वपूर्ण सवाल पूछे। जिसका अतिथियों के द्वारा कुछ महत्वपूर्ण सवालों का जवाब दिया गया। इतना ही नहीं अतिथियों से देश ही नहीं विदेशों में बैठे लोगों ने भी ऑनलाइन लाइव कार्यक्रम में जुड़कर विशेषज्ञों से सवाल किए और उनका जवाब अतिथियों के द्वारा दिया गया। जिसमें यूएसए और कैलिफोर्निया के दर्शक भी शामिल हुए। लेट्स टॉक के फेसबुक लाइव कार्यक्रम का सफल संचालन के लिए प्रदेश प्रवक्ता रंजेश सिंह ने टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र सुमन, मॉडरेटर नम्रता मिश्रा एवं खुशबू कुमारी सहित पूरी टीम को धन्यवाद दिया है ।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2021

'टीचर्स ऑफ बिहार' के एक्सक्लूसिव Let's Talk कार्यक्रम में पूर्व में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों के साथ राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-२०२१ पर विस्तृत चर्चा की गयी।

विडियो देखने के लिए नीचे दिए गए *लिंक या फोटो पर क्लिक* करें-

दैनिक भास्कर

बिहारशरीफ भास्कर 16-06-2021

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 20 तक करें आवेदन, नियोजित शिक्षकों को भी मौका

- ऑनलाइन नॉमिनेशन होगा, दो स्टेज पर होगी स्क्रूटिनी

एजुकेशन रिपोर्टर | बिहारशरीफ

जिले के सरकारी और निजी स्कूलों के शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2021 प्राप्त करने के लिए 20 जून तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इस बार शिक्षक सेल्फ नॉमिनेशन करेंगे। इसके लिए रजिस्ट्रेशन और आवेदन करने की तिथि 20 जून तक निर्धारित की गयी है। शिक्षकों के ऑनलाइन आवेदन को डीईओ की अध्यक्षता वाली जिला चयन कमेटी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से राज्य चयन कमेटी को भेजेगी। इससे पहले डीएससी के सदस्य शिक्षकों के आवेदन की भौतिक जांच करेंगे। ये देखेंगे कि शिक्षक ने जो जानकारी दी वह सही है या नहीं और वह इस पुरस्कार के लिए निर्धारित मापदंड को पूरा करते हैं या नहीं। इस कमेटी में राज्य के प्रतिनिधि के साथ डीएम द्वारा मनोनीत शिक्षाविद् सदस्य होंगे। डीपीओ समग्र शिक्षा हेमचन्द्र ने बताया कि इस संबंध में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार ने पत्र भेज कर शिक्षकों को आवेदन के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए शिक्षकों को वेबसाइट www.mhrd.gov.in पर आवेदन करना होगा।

ये कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन : राज्य सरकार, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन, स्थानीय निकाय, राज्य सरकार व संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की सहायता से संचालित स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, परमाणु ऊर्जा, शिक्षा सोसाइटी, सीबीएसई से संबद्ध स्कूल, काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल्स सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन से संबद्ध विद्यालयों के प्राचार्य व शिक्षक इसमें भाग ले सकेंगे। पहले स्तर की जांच डीईओ की अध्यक्षता में जिला चयन समिति करेगी। इसके बाद नामों की अनुशंसा राज्यस्तरीय समिति को करेगी। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए मूल्यांकन मैट्रिक्स का निर्धारण किया गया है। इसके आधार पर पुरस्कार के लिए प्राचार्य व शिक्षकों को चयनित किया जाएगा।

इस बार सेल्फ नॉमिनेशन कर सकेंगे शिक्षक

50 फीसदी महिला शिक्षक को किया जाएगा चिह्नित
अपर मुख्य सचिव के द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 50 प्रतिशत महिला शिक्षकों को चिन्हित किया जाएगा। इसमें नियोजित शिक्षक भी शामिल होंगे।

डीएससी करेगी फर्स्ट स्टेज की स्क्रूटनी : शिक्षकों से प्राप्त नॉमिनेशन का फर्स्ट स्टेज में डिस्ट्रिक्ट सलेक्शन कमेटी (डीएससी) द्वारा स्क्रूटनी की जाएगी। डीएससी शिक्षकों द्वारा दी गयी जानकारी का भौतिक सत्यापन करके ऑनलाइन पोर्टल के जरिए स्टेट सलेक्शन कमेटी को भेज देगा। डीएससी सलेक्शन कमिटी में डीईओ अध्यक्ष, राज्य के एक प्रतिनिधि और डीएम द्वारा नामित एक शिक्षाविद मेंबर होंगे।

3 शिक्षकों का होगा चयन : इस सिस्टम के तहत हर जिले से 3 शिक्षकों का चयन किया जाएगा। इसके बाद हर राज्य से 6 शिक्षक चयनित होंगे। शिक्षकों का मूल्यांकन 100 अंकों के आधार पर होगा। केंद्र सरकार ने नेशनल अवार्ड की संख्या कम करने के साथ ही प्रतियोगिता को भी सख्त कर दिया है।

जिला चयन कमेटी में रहेंगे ये सदस्य

जिला चयन कमेटी में तीन सदस्य हैं। इसमें डीईओ के साथ राज्य स्तर के एक अधिकारी और डीएम द्वारा चयनित एक प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। फिजिकल वैरिफिकेशन टीम के द्वारा आवेदन में अंकित तथ्यों की जांच की जाएगी। कमिटी के आवेदन की जांच के साथ-साथ मार्किंग भी करेंगे। उसके बाद जिला चयन समिति के द्वारा जांच के बाद मार्क्स का प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए टाइम टेबुल

- पोर्टल पर पुरस्कार के लिए आनलाइन आवेदन : 20 जून तक
- जिला समिति द्वारा प्रदेश समिति को नामांकन भेजना : एक से 15 जुलाई
- प्रदेश समिति या संगठन द्वारा स्वतंत्र राष्ट्रीय ज्यूरी को नामांकन भेजना : 16 से 30 जुलाई
- शिक्षा मंत्री के अनुमोदन पर स्वतंत्र राष्ट्रीय ज्यूरी का गठन : 20 से 25 जुलाई
- सभी चयनित शिक्षकों को ज्यूरी के समक्ष आनलाइन या आफलाइन प्रस्तुति देने की सूचना : दो अगस्त
- राष्ट्रीय ज्यूरी की ओर से चयन प्रक्रिया : पांच से 16 अगस्त
- स्वतंत्र राष्ट्रीय जूरी द्वारा अंतिम सूची बनाना : 16 अगस्त
- शिक्षा मंत्री के अनुमोदन के बाद चयनित शिक्षकों को बताना : 18 अगस्त
- रिहर्सल और पुरस्कार समारोह : चार व पांच सितंबर

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार व राजकीय शिक्षक पुरस्कार 2021 के लिए विभाग से प्राप्त दिशा-निर्देश से सभी डीपीओ, बीईओ व एचएम को अवगत करा दिया गया है। गाइडलाइन के अनुरूप 20 जून तक प्राप्त आवेदनों का जांच कर 15 जुलाई तक चयनित शिक्षकों की सूची राज्य चयन समिति को भेजा जायेगा। अरुण कुमार, डीईओ

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

'टीचर्स ऑफ बिहार' के एक्सक्लूसिव Let's Talk कार्यक्रम में योग से जुड़े विशेषज्ञों के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विस्तृत चर्चा की गयी।

विडियो देखने के लिए नीचे दिए गए *लिंक या फोटो पर क्लिक* करें-

न्यूज पोर्टल पर प्रकाशित खबर को पढ़ने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें-

शिक्षक न्यूज बिहार

Big News:टीचर्स ऑफ बिहार(ToB) ने सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को खास बनाने के लिए आयोजित किया लेट्स टॉक ।

न्यूज लॉलीपॉप

टीचर्स ऑफ बिहार ने सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को खास बनाने की लिए आयोजित किया लेट्स टॉक - (newslollipop.com)

आर. एन. न्यूज

टीचर्स ऑफ बिहार ने सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को खास बनाने की लिए आयोजित किया लेट्स टॉक। (rnnews.live)

परमान टाइम्स

[टीचर्स ऑफ बिहार ने सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को खास बनाने की लिए आयोजित किया लेट्स टॉक। - परमान टाइम्स (parmantimes.in)]

Teachers of Bihar
The Change Makers

दैनिक भास्कर अररिया 21-06-2021

पहल • योग विशेषज्ञों के साथ 'लेट्स टॉक' कार्यक्रम का किया गया आयोजन

'योग जीवन शैली बदल करता है जागरूक'

योग दिवस पर कई कार्यक्रमों का होगा आयोजन

टीचर्स ऑफ बिहार ने सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को खास बनाने की लिए आयोजित किया लेट्स टॉक

पटना/अररिया, सोनभद्र संवाददाता। सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को खास बनाने के उद्देश्य से आयुष मंत्रालय भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के आलोक में अधिक से अधिक लोगों तक योग के विभिन्न आयामों की समझ को आसानी से विकसित करने के उद्देश्य से बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा अपने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े 70,000 से भी अधिक सक्रिय शिक्षक साथियों के बीच फेसबुक पेज पर रविवार को योग विशेषज्ञों के साथ एक्सक्लूसिव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का आयोजन किया गया।एक्सक्लूसिव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का संचालन कर रहें टीम के मॉडरेटर मृत्युजंयम एवं ज्योति कुमारी के साथ मुख्य अतिथि मुकेश योगी, संस्थापक, सत्यम योग दर्शन सेवाश्रम एवं कौशल किशोर यादव, योगा इंस्ट्रक्टर सी.एच. सी. फतेहपुर, जिला गया शामिल हुए। इस लाइव कार्यक्रम लेट्स टॉक को संबोधित करते मुख्य अतिथि योग विशेषज्ञ मुकेश योगी एवं कौशल किशोर यादव ने कहा कि योगाभ्यास शरीर एवं मन; विचार एवं कर्म; आत्मसंयम एवं पूर्णता की एकात्मकता तथा मानव एवं प्रकृति का पूर्णतावादी दृष्टिकोण है। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि स्वयं के साथ, विश्व और प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है।

दैनिक भास्कर मुंगेर 21-06-2021

आयोजन • अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को खास बनाने की लिए आयोजित हुआ लेट्स टॉक कार्यक्रम

सुबह 7 बजे से जूम एप पर योगाभ्यास कार्यक्रम का प्रसारण

टीचर्स ऑफ बिहार ने सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को खास बनाने की लिए आयोजित किया लेट्स टॉक

योग गुरु से आज 6 लाख से अधिक बच्चे सीखेंगे योगाभ्यास

तैयारी पूरी

योग से माइग्रेन, स्ट्रेस लेवल को दूर करने के मिले टिप्स

T O B
NEWS

संयुक्त राष्ट्र की पहल 'वेरीफाईड' का समर्थन

'टीचर्स ऑफ बिहार' के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र सुमन के सहयोग से टीम की मॉडरेटर नम्रता मिश्रा एवं खुशबू कुमारी सहित पूरी टीम के सराहनीय प्रयास से शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर संयुक्त राष्ट्र की पहल ''वेरीफाइड'' के समर्थन में जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक्सक्लूसिव कार्यक्रम ''लेट्स टॉक'' का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में बिहार के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान आईजीआईएमएस पटना के सहायक प्रोफेसर डॉ० सेतु सिन्हा, सहायक प्रोफेसर डॉ० अर्चना सिन्हा, ऐम्स पटना के एडिशनल प्रोफेसर डॉ० संजीव कुमार, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ० मधु गुप्ता एवं प्रतिष्ठित प्रिंट मीडिया ''टाइम्स ऑफ इंडिया'' के संपादक पीयूष त्रिपाठी शामिल हुए। लेट्स टॉक कार्यक्रम में शामिल अतिथि डॉ० मधु गुप्ता स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ ने कहा कि कोविड टीकाकरण के संबंध में बहुत सी भ्रांतियां समाज में फैली हुई हैं जिसमें मुख्य रुप से लोगों का यह मानना है कि यदि हमें किसी प्रकार की एलर्जी है तो हमें टीकाकरण नहीं लेना चाहिए। जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। ये केवल मिथक मात्र है। लोगों को केवल इतना ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी परिस्थिति में यदि प्रथम डोज के रूप में यदि कोविशील्ड का टीका लिया गया है तो दूसरे डोज में भी कोविशील्ड का ही टीका लिया जाना चाहिए।

टीचर्स ऑफ बिहार ने संयुक्त राष्ट्र की पहल "वेरीफाइड" के समर्थन में आयोजित किया "लेट्स टॉक" का आयोजन

सन्मार्ग/फारबिसगंज। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र सुमन के सहयोग से टीम की मॉडरेटर नम्रता मिश्रा एवं खुशबू कुमारी सहित पूरी टीम के सराहनीय प्रयास से शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर संयुक्त राष्ट्र की पहल ‡वेरीफाइड‡ के समर्थन में जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक्सक्लूसिव कार्यक्रम ‡लेट्स टॉक‡ का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश सिंह ने देते हुए बताया कि इस आयोजन केमुख्य अतिथि के रूप में बिहार के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान आईजीआईएमएस पटना के सहायक प्रोफेसर डॉ‡ सेतु सिन्हा, सहायक प्रोफेसर डॉ‡ अर्चना सिन्हा, ऐम्स पटना के एडिशनल प्रोफेसर डॉ‡ संजीव कुमार स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ‡ मधु गुप्ता एवं प्रतिष्ठित प्रिंट मीडिया ‡टाइम्स ऑफ इंडिया‡ के संपादक पीयूष त्रिपाठी शामिल हुए। लेट्स टॉक कार्यक्रम में शामिल अतिथि डॉ‡ मधु गुप्ता स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ ने कहा कि कोविड टीकाकरण के संबंध में बहुत सी भ्रांतियां समाज में फैली हुई है जिसमें मुख्य रूप से लोगों का यह मानना है कि यदि हमें किसी प्रकार की एलर्जी है तो हमें टीकाकरण नहीं लेना चाहिए। जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। ये केवल मिथक मात्र है। डॉ अर्चना सिन्हा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा केवल गर्भवती महिलाओं के लिए कोविड का टीकाकरण वर्जित किया गया है परन्तु स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए अब टीकाकरण की अनिवार्यता शुरू कर दी गई है। डॉ‡ सेतु सिंहा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि कोविड का टीकाकरण लेने के उपरांत भी कोरोना संक्रमण होने का खतरा बना रहता है। इसीलिए टीकाकरण लेने के बावजूद भी सुरक्षा जरूरी है। पीयूष त्रिपाठी संपादक टाइम्स ऑफ इण्डिया ने कहा कि कोरोना वैक्सीन आने से पूर्व लोगों के द्वारा तरह-तरह की अफवाहें समाज में फैलाई जा रही थी। उन अफवाहों में खास करके आज के युवा वर्ग विशेष रूप से शामिल है जो स्मार्टफोन का धड़ल्ले से उपयोग करते हैं और बिना सोचे समझे गलत जानकारियों से संबधित पोस्ट को सोशल मीडिया के माध्यम से साझा करते रहते हैं।

कार्यक्रम को देखने के लिए नीचे दिए गए *लिंक पर क्लिक* करें-
[(20+) Facebook Live | Facebook]

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विविध कार्यक्रम

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 के अवसर पर 'टीचर्स ऑफ बिहार'

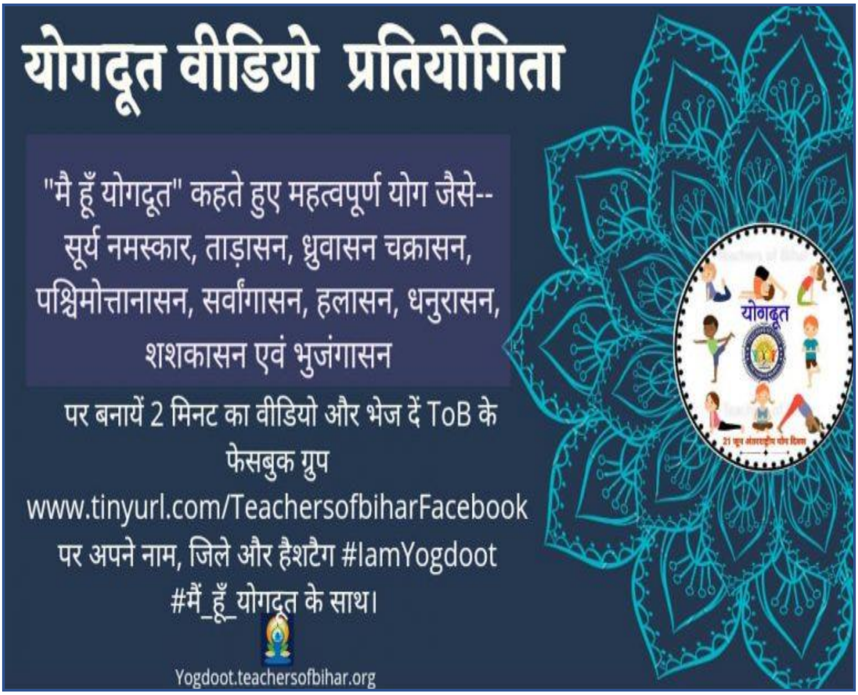

ने योग गुरूओं के साथ दिनांक 21 जून 2021 समय सुबह 7:30 बजे लाईव योगा का आयोजन किया।

विडियो देखने के लिए नीचे दिए गए *लिंक पर क्लिक* करें –

[(20+) Facebook Live | Facebook]

टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा योगदूत ऑनलाईन क्विज, 'मैं हूँ योगदूत' विडियो प्रतियोगिता, योग दिवस पर योग से संबंधित स्वरचित आलेखों/निबंधों/कविताओं/कहानियों का प्रकाशन, Let's Talk : अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस-2021 आदि कार्यक्रम का अयोजन किया गया

[विश्व योग दिवस 2021 - Yogdoot (teachersofbihar.org)]

शिक्षा-श्रुति

'शिक्षा-श्रुति' टीचर्स ऑफ बिहार : द चेंज मेकर्स का पॉडकास्ट चैनल है। इसके अंतर्गत टी.ओ.बी. से जुड़े शिक्षकों के द्वारा पोस्ट की गई कहानियों को विशेष अंदाज में सस्वर वाचन किया जाता है। ऐसी कहानियों को पूर्व में फाउंडर शिव कुमार भी अपनी आवाज दे चुके हैं। शिव कुमार का अंदाज-ए-बयां सुरीली व मनमोहक होती है। उनके स्वर का उतार-चढ़ाव कहानी को जीवंत व नाटकीय स्वरूप प्रदान कर प्रभावी व रोचक बनाती है।

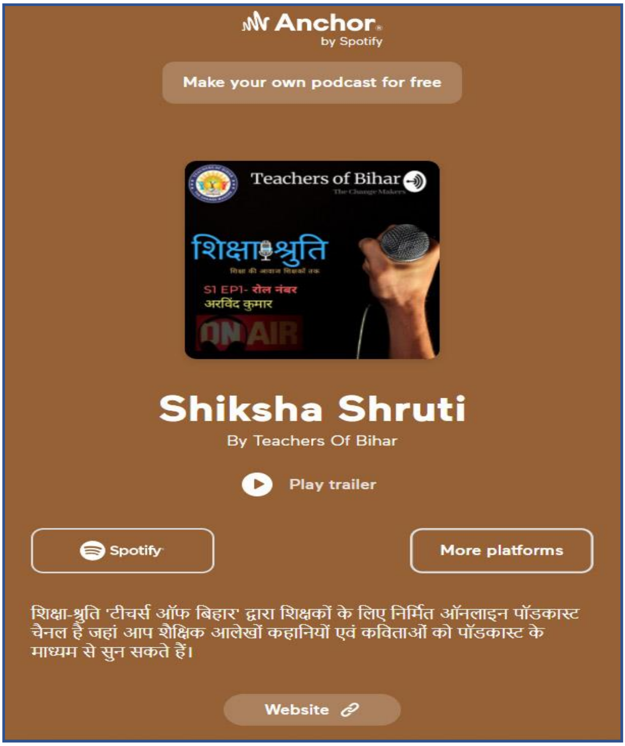

पॉडकास्ट चैनल पर सभी कहानियाँ सुनने के लिए ***फोटो पर क्लिक*** करें-

कहानी की बूँदें

'टीचर्स ऑफ बिहार' के शिक्षा-श्रुति पॉडकास्ट चैनल पर अब हर दिन सभी सुनेंगे एक नई कहानी बच्चों के लिए 30 दिन 30 कहानी, मोनिका दयाल की जुबानी।

कहानी सुनने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर ***क्लिक*** करें-

दो मेंढ़क

कहानी की बूँदें S1 E1 दो मेंढ़क

कुत्ते अपनी पूँछ क्यों हिलाते हैं ?

कहानी की बूँदें S1 E2 कुत्ते अपनी पूँछ क्यों हिलाते है ?

भालू की पूँछ छोटी क्यों होती है ?

कहानी की बूँदें S1 E3 भालू की पूँछ छोटी क्यों होती है ?

चाँद की तरफ कभी भी चप्पल मत रखना -

कहानी की बूँदें S1 E4चाँद की तरफ कभी भी चप्पल मत रखना

एक मटर के पाँच दाने -

कहानी की बूँदें S1 E5 एक मटर के पांच दाने

एक गाय और मक्खी -

कहानी की बूँदें S1 E6 एक गाय और मक्खी

चोर कौन है ?

कहानी की बूँदें S1 E7 चोर कौन है ?

एक इंच का लड़का -

कहानी की बूँदें S1 E 8 एक इंच का लडका

एक बतख का बच्चा -

कहानी की बूँदें S1 E9 एक बतख का बच्चा

चाँद पर काले रंग के निशान कहाँ से आए ?

कहानी की बूँदें S1 E10 चाँद पर काले रंग के निशान कहाँ से आये?

सफेद खरगोश -

कहानी की बूँदें S1 E11 सफ़ेद खरगोश

मुफ्त का नारियल -

कहानी की बूँदें S1 E12 मुफ्त का नारियल

टिपटिपवा -

कहानी की बूँदें S1 E 13 टिपटिपवा

मछली क्यों नहीं बोल पाती ?

[कहानी की बूँदें S1 E14 मछली क्यों नहीं बोल पाती](#)

कहानी मछली की -

[कहानी की बूँदे S1 E15 कहानी मछली की](#)

बकरी रस्सी को बाँधने से क्यों मना करती है ?

[कहानी की बूँदें S1 E16 बकरी रस्सी को बांधने से क्यों मना करती है](#)

दुनिया में कहानी कहाँ से आयी ?

[कहानी की बूँदें S1 E17 दुनिया में कहानी कहाँ से आई ?](#)

गधा -

[कहानी की बूँदें S1 E18 गधा](#)

फुर्र-फुर्र -

[कहानी की बूँदें S1 EP 19 फुर्र फुर्र](#)

भूतों की शरारत -

[कहानी की बूँदें S1 EP 20 भूतो की शरारत](#)

उल्लू रात भर क्यों जागता है ?

[कहानी की बूँदें S1 E 21 उल्लू रात भर क्यों जागता है](#)

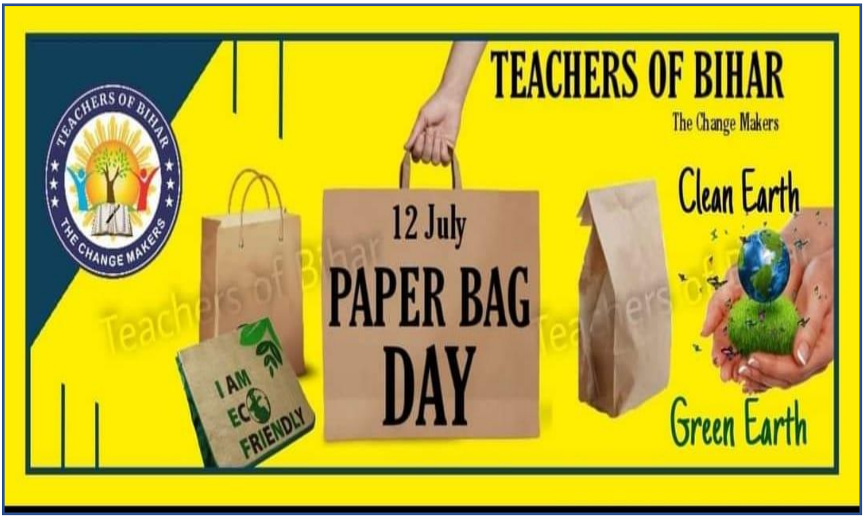

कोविड-19 से संबंधित

वर्तमान समय में हम सब ने मिलकर करोना के खिलाफ जारी जंग में अपनी भूमिका निभाई है। स्वच्छता, मास्क का प्रयोग, सामाजिक दूरी का पालन आदि के साथ कोविड-19 संक्रमण से बचाव हेतु टीकाकरण ही सुरक्षित एवं कारगर उपाय है। कोविड-19 वायरस एवं टीकाकरण को लेकर कई तरह के भ्रम या मिथक फैल गए हैं। इसकी वजह है कि इस बारे में ज्यादातर लोगों के पास सही और सटीक जानकारी पहुंच नहीं पा रही है। इसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के कैंपेन 'Varified' के समर्थन में 'टीचर्स ऑफ़ बिहार : द चेंज मेकर्स' समूह एवं स्वस्थ महिला स्वस्थ बिहार के संयुक्त तत्वावधान में कोरोना वायरस के लक्षण, बचाव एवं भ्रम/मिथक आदि के प्रति आमलोंगो में जागरूकता के लिए एक्सक्लूसिव क्विज का आयोजन किया गया। इस क्विज में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को ऑनलाईन ई-सर्टिफिकेट 13 जून 2021 तक प्राप्त हुआ।

Covid-19 Vaccination Awareness - School on Mobile (teachersofbihar.org)

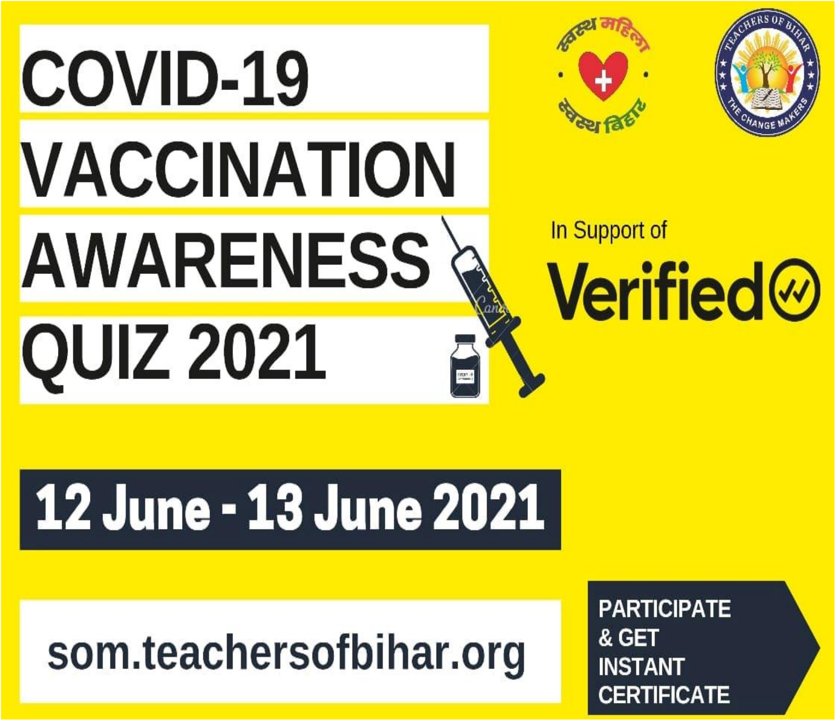

योग से संबंधित

विश्व योग दिवस पर टीचर्स ऑफ़ बिहार का प्रयास, योग दिवस को बनाएँ खास–

मैं हूँ योगदूत!

इस अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 'टीचर्स ऑफ बिहार' के द्वारा योग के प्रति जागरूक करने हेतु एक ऑनलाईन International Yoga Day 2021 क्विज का आयोजन किया गया।

इस क्विज में कुल 20 बहुविकल्पीय प्रश्न दिए गए थे। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक निर्धारित था। प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम समय 1 मिनट था। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को क्विज का उत्तर समर्पित करने के साथ ही ऑनलाईन ई–प्रमाण–पत्र दिया गया।

International Yoga Day 2021 - Yogdoot (teachersofbihar.org)

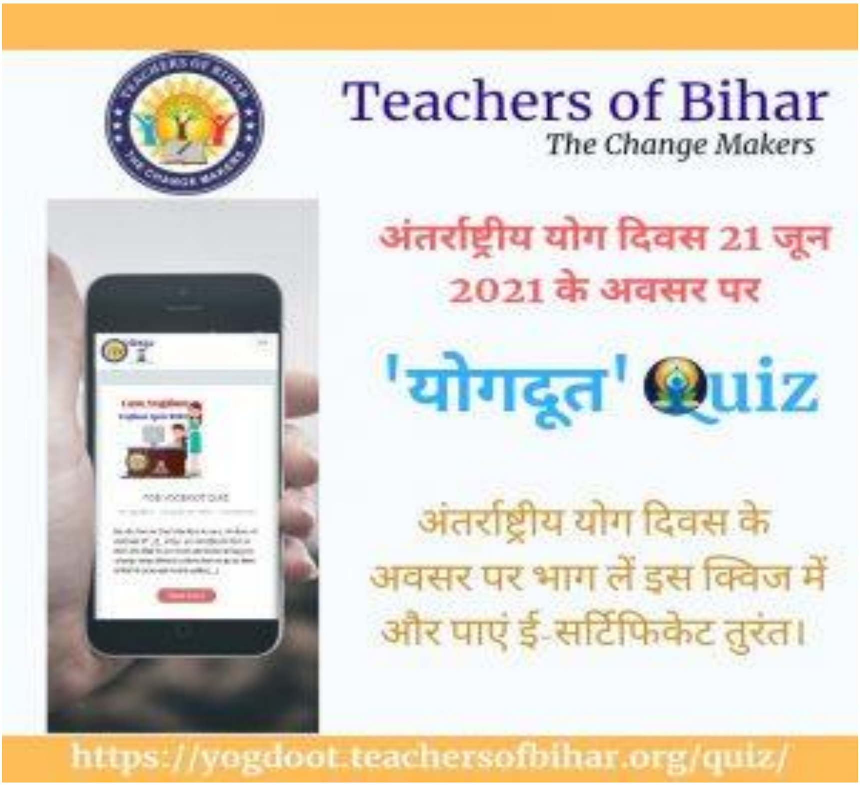

शिक्षक-गाथा 2021

उ.म.विद्यालय बल्लोपुर हिंदी, वारसलीगंज नवादा में पदस्थापित श्रीकांत कुमार इन दिनों अपने विद्यालय को बेहतरीन बनाने में लगे हैं।

अक्सर बरसात के दिनों में उनके विद्यालय में पानी भर जाने की समस्या है। इस समस्या को देखते हुए उन्होंने गांव के मुखिया नागेंद्र कुमार जी से विद्यालय में ईंट सोलिंग हेतु अनुरोध किया।

मुखिया जी द्वारा ईंट सोलिंग का कार्य कराने के दौरान शिक्षक श्रीकांत कुमार ने मजदूरों के साथ खुद लग कर S की आकृति में सौंदर्य हेतु इस कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं।

श्रीकांत कुमार ने कहा कि “विद्यालय की खूबसूरती और पार्क सा लुक देने का हमारा मुख्य उद्देश्य है. पैदल पथ के दोनो ओर शो प्लांट होगा। इसके साथ ही मेरे पूर्व विद्यालय की भांति इस विद्यालय के दीवारों को भी चित्रों से भरने का काम जारी है। विद्यालय खुलने के बाद जब बच्चे आयेंगे तो पूरा बदला हुआ विद्यालय उन्हें मिलेगा।”

बिहार में भी कई ऐसे शिक्षक हैं जो वर्तमान समय में अपने समय का सदुपयोग विद्यालयों को बच्चों के लिए बेहतर बनाने में लगा रहे हैं। ऐसे शिक्षकों को टीचर्स ऑफ बिहार नमन करता है।

बीपीएससी की संयुक्त प्रतियोगिता में सफल शिक्षक

वैसे शिक्षक जिन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत की बदौलत बी.पी. एस.सी. की संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में अंतिम रूप से चयनित होकर शिक्षक समुदाय का मान बढ़ाया है।

विश्व महासागर दिवस

प्रतिवर्ष 8 जून को विश्व-महासागर-दिवस के रूप में मनाया जाता है। महासागर के महत्व और उससे संबंधित विषयों, खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता आदि की ओर आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए इस 'ज्ञान दृष्टि महासागर विशेषांक' को प्रकाशित किया जा रहा है। इस अंक में पृथ्वी पर स्थित चारों महासागर के बारे में रोचक तथ्यों का आप अध्ययन कर सकेंगे। आप इसे अपने पाठ्य पुस्तक से जोड़ कर देखेंगे तो यह आपके अध्ययन और सामान्य ज्ञान वृद्धि में काफी मददगार साबित होगा। इस ज्ञान दृष्टि का निर्माण औरंगाबाद जिले के शिक्षक शशिधर उज्जवल द्वारा किया गया है।

ज्ञान दृष्टि महासागर विशेषांक को पढ़ने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें -

[ToB - Gyan Drishti 26 Ocean (teachersofbihar.org)]

‘DIKSHA’ APPLICATION

टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा DIKSHA App एवं E-SCORT से जुड़े सभी प्रकार के विडियो ट्यूटोरियल का लिंक एक ही जगह शिक्षक हित में जारी किया गया।

आवश्यकतानुसार विडियो ट्यूटोरियल देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें –

दीक्षा ऐप कैसे इंस्टॉल और रजिस्टर करें –
How to install/Register on DIKSHA app|

दीक्षा ऐप को डाउनलोड करने के लिए
DIKSHA - Platform for School Education - Apps on Google Play

ई-मेल आईडी बनाने के लिए –
Email ID kaise banaye |

जीमेल में अपना नाम बदलने के लिए –
How to update/change your name in Gmail|

गुगल क्रोम से लॉगिन करने के लिए –
NISHTHA | DIKSHA| All problem Solution| Missing PDF/Video/Certificate| क्रोम/गूगल से कैसे लॉगिन करें - YouTube

दिक्षा ऐप का पासवर्ड पुनः प्राप्त करने के लिए –
NISHTHA|How to retrieve/reset your password on DIKSHA App|दीक्षा ऐप का पासवर्ड पुनः प्राप्त कैसे करे - YouTube

'बेटी बचाओ' पर एक मार्मिक गीत

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय, केंद्रीय राज्य मंत्री राम कृपाल यादव, भोजपुरी फिल्म अभिनेता मनोज तिवारी 'मृदुल' सहित कई दिग्गज हस्तियों की उपस्थिति में ''सशक्त नारी सम्मान'', ''वीरता सम्मान'' एवं ''अपराजिता सम्मान" से सम्मानित बिहार के मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत मीनापुर प्रखण्ड स्थित प्राथमिक विद्यालय रामसहाय छपरा की शिक्षिका सादिया प्रवीण के द्वारा बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी 'टीचर्स ऑफ बिहार' के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने स्वर में प्रस्तुत मार्मिक गीत ''बेटी की फरियाद'' !

शिक्षिका सादिया प्रवीण द्वारा गाए इस गीत को सुनने के लिए नीचे दिए गए लिंक या फोटो पर क्लिक करें –

(20+) Teachers of Bihar – Posts | Facebook

इस माह खबरों में..........

बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई कराने की पहल

छोटाफंदपुर | निज प्रतिनिधि

लाकडाउन के दौरान बंद पड़े विद्यालयों में नये सत्र की शुरुआत के साथ ही बच्चों को पढ़ाई की समस्या से निजात दिलाने के लिए सरकारी स्कूल के बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाने का बीड़ा टीचर्स ऑफ बिहार द चेंज मेकर्स ने उठाया है।

टीचर्स ऑफ बिहार सरकारी विद्यालय के शिक्षकों का एक मंच है जो अपने प्रयास से विभिन्न प्रकार के नवाचार, तकनीक, गतिविधियां एवं विद्यालय में आयोजित क्रियाकलाप को सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों के समक्ष पेश करता है। टीचर्स ऑफ़ बिहार ने निर्णय लिया कि सरकारी विद्यालय के बच्चे पढ़ाई में नहीं पिछड़ें, इसको देखते हुए सभी विषयों पर फेसबुक लाइव कक्षाओं का संचालन प्रारंभ किया गया है।

इसमें विषय विशेषज्ञ शिक्षक अपने-अपने निर्धारित समय पर टीचर्स ऑफ़ बिहार के बैनर तले फेसबुक पर लाइव कक्षा संचालित कर रहे हैं। इस टीम में बेगूसराय जिले के मध्य विद्यालय हाजीपुर बरौनी के शिक्षक अशोक दास सामाजिक विज्ञान विषय फेसबुक लाइव के माध्यम से पढ़ा रहे हैं। लॉकडाउन में विद्यालय बंद रहने के दौरान इसे एक अच्छी पहल मानी जा रही है। सरकारी विद्यालय के बच्चों के लिए तकनीक से जुड़ने का पहला प्रयास किया गया है। टीचर्स ऑफ बिहार के बेगूसराय के डिस्ट्रिक्ट मेंटर मोहम्मद अब्दुल्लाह ने बताया कि जब तक लॉकडाउन रहेगा तब तक बिहार के सभी बच्चे जो सरकारी विद्यालय या अन्य विद्यालयों में हैं, उनके लिए मासिक अकादमिक कैलेंडर के अनुसार विषयवार लाइव कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने अभिभावकों से भी अनुरोध किया है कि वे अपने बच्चों को एंड्रॉयड मोबाइल सेट थोड़ी देर के लिए उपलब्ध कराएं। साथ ही बच्चों को लाइव क्लास में शामिल होने के लिए प्रेरित करें।ऑनलाइन क्लासेज के लिए टीचर्स ऑफ बिहार का फेसबुक ग्रुप ज्वॉइन करना है।इसके बाद प्रत्येक दिन निर्धारित समयानुसार अपनी कक्षा से संबंधित विषयवार लाइव प्रसारण के माध्यम से बच्चे सीखेंगे।

दैनिक भास्कर अररिया 13-06-2021

जागरूकता को ले वेबिनार • वेरीफाइड के समर्थन में टीचर्स ऑफ बिहार ने किया लेट्स टॉक का आयोजन

पहले डोज में कोविशील्ड लिए तो दूसरा भी यही लें : डॉ. मधु

भास्कर न्यूज | अररिया

शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर संयुक्त राष्ट्र की पहल वेरीफाइड के समर्थन में जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक्सक्लूसिव कार्यक्रम लेट्स टॉक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान आईजीआईएमएस पटना के सहायक प्रोफेसर डॉ. सेतु सिन्हा, सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्चना सिन्हा, एम्स पटना के एडिशनल प्रोफेसर डॉ संजीव कुमार स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ मधु गुप्ता एवं प्रतिष्ठित प्रिंट मीडिया "टाइम्स ऑफ इंडिया" के संपादक पीयूष त्रिपाठी शामिल हुए। लेट्स टॉक कार्यक्रम में शामिल अतिथि डॉ मधु गुप्ता स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ ने कहा कि कोविड टीकाकरण के संबंध में बहुत सी भ्रांतियां फैली हैं। यह सभी बेबुनियाद हैं। यदि प्रथम डोज के रूप में यदि कोविशील्ड का टीका लिया गया है तो दूसरे डोज में भी कोविशील्ड का ही टीका लिया जाना है।

लेट्स टॉक कार्यक्रम में उपस्थित डॉक्टर तथा अन्य।

बच्चों के लिए भी जल्द ही टीका की होगी सुविधा

डॉ. अर्चना सिन्हा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा केवल गर्भवती के लिए कोविड का टीकाकरण वर्जित किया गया है परन्तु स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए अब टीकाकरण की अनिवार्यता शुरू कर दी गई है। डॉ. सेतु सिंह सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि कोविड का टीका लेने के उपरांत भी कोरोना संक्रमण होने का खतरा बना रहता है। इसीलिए टीकाकरण के बावजूद सुरक्षा जरूरी है। आने वाले समय में बच्चों के लिए भी टीकाकरण की सुविधा जल्द ही उपलब्ध होगी। इसके लिए ट्रायल चल रहा है।

यूएसए और कैलिफोर्निया के लोगों ने भी पूछा सवाल

लेट्स टॉक के फेसबुक लाइव कार्यक्रम में शामिल अतिथियों से बिहार के हजारों शिक्षकों ने महत्वपूर्ण सवाल पूछे। जिसका अतिथियों के द्वारा कुछ महत्वपूर्ण सवालों का जवाब दिया गया। इतना ही नहीं अतिथियों से देश ही नहीं विदेशों में बैठे लोगों ने भी ऑनलाइन लाइव कार्यक्रम में जुड़कर विशेषज्ञों से सवाल किए और उनका जवाब अतिथियों के द्वारा दिया गया। जिसमें यूएसए और कैलिफोर्निया के दर्शक भी शामिल हुए। लेट्स टॉक के फेसबुक लाइव कार्यक्रम का सफल संचालन के लिए प्रदेश प्रवक्ता रंजेश सिंह ने टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र सुमन, मॉडरेटर नम्रता मिश्रा एवं खुशबू कुमारी सहित पूरी टीम को धन्यवाद दिया है।

दैनिक भास्कर भागलपुर 02-06-2021

अब सरकारी स्कूल के शिक्षक और बच्चे सीख रहे कोडिंग

एनिमेशन व कार्टून के साथ गेम भी बना रहे बच्चे

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

निजी स्कूलों की तर्ज पर अब सरकारी स्कूल के शिक्षक और बच्चे भी कोडिंग सीख रहे हैं। बच्चे खुद ही एनिमेशन, कार्टून, वीडियो से लेकर गेम बना रहे हैं। जिले के कई छात्र-छात्राओं ने अपनी आवाज में कार्टून का कोई कैरेक्टर चुनकर संवाद प्रेषण से लेकर किसी भी टॉपिक पर जागरूकता और पढ़ाई से संबंधित वीडियो और एनिमेशन तैयार कर क्रिएटिविटी दिखाई है। मुरौल प्रखंड के मध्य विद्यालय मीरापुर के छात्र गौतम आनंद कोडिंग सीख रहे हैं। उन्होंने कोरोना वायरस पर जागरूकता के लिए एक एनिमेशन बनाया है। इसमें कार्टून की मदद से कोरोना का संक्रमण, उसका बचाव से लेकर अन्य जानकारी दी गई है। छात्रा मुस्कान कुमारी, कुंदन समेत दर्जनों स्टूडेंट्स इससे जुड़ चुके हैं। टीचर्स ऑफ बिहार के शिक्षक सौरभ सुमन मुफ्त में कोडिंग सिखा रहे हैं। शिक्षकों ने इसे सीखकर वीडियो बनाया है।

ये है कोडिंग : ऑनलाइन पढ़ाई को लेकर तैयार हुए सभी प्लेटफॉर्म कोडिंग से ही जुड़े हैं। वहीं, नई शिक्षा नीति में भी इसे शामिल किया गया है। कंप्यूटर साइंस के शिक्षक सौरभ सुमन ने बताया कि कोडिंग में किसी न किसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का इस्तेमाल होता है। बच्चों को दी जाने वाली ट्रेनिंग में स्क्रैच लैंग्वेज का उपयोग किया जा रहा। कोडिंग बैकग्राउंड नहीं होने वाले भी आसानी से सीख सकते हैं। बच्चे गेम खेलने और कार्टून देखने के शौकीन होते हैं। अब कोडिंग सीखकर वे खुद का गेम और कार्टून और एनिमेशन बनाकर सीख सकते हैं।

सोनभद्र एक्सप्रेस

पटना, रविवार, 13 जून, 2021

टीचर्स ऑफ बिहार ने संयुक्त राष्ट्र की पहल वेरीफाइड के समर्थन में

लेट्स टॉक का आयोजन

अररिया, सोनभद्र संवाददाता

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र सुमन के सहयोग से टीम की मॉडरेटर नम्रता मिश्रा एवं खुशबू कुमारी सहित पूरी टीम के सराहनीय प्रयास से शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर संयुक्त राष्ट्र की पहल "वेरीफाइड" के समर्थन में जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक्सक्लूसिव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान आईजीआईएमएस पटना के सहायक प्रोफेसर डॉ. सेतु सिन्हा, सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्चना सिन्हा, ऐम्स पटना के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. मधु गुप्ता एवं प्रतिष्ठित प्रिंट मीडिया "टाइम्स ऑफ इंडिया" के संपादक पीयूष त्रिपाठी शामिल हुए।

लेट्स टॉक कार्यक्रम में शामिल अतिथि डॉ0 मधु गुप्ता स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ ने कहा कि कोविड टीकाकरण के संबंध में बहुत सी भ्रांतियां समाज में फैली हुई है जिसमें मुख्य रूप से लोगों का यह मानना है कि यदि हमें किसी प्रकार की एलर्जी है तो हमें टीकाकरण नहीं लेना चाहिए। जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। ये केवल मिथक मात्र है। डॉ. अर्चना सिन्हा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा केवल गर्भवती महिलाओं के लिए कोविड का टीकाकरण वर्जित किया गया है परन्तु स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए अब टीकाकरण की अनिवार्यता शुरू कर दी गई है।

डॉ. सेतु सिंहा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि कोविड का टीकाकरण लेने के उपरांत भी कोरोना संक्रमण होने का खतरा बना रहता है। इसीलिए टीकाकरण लेने के बावजूद भी सुरक्षा जरूरी है। पीयूष त्रिपाठी संपादक टाइम्स ऑफ इण्डिया ने कहा कि कोरोना वैक्सीन आने से पूर्व लोगों के द्वारा तरह-तरह की अफवाहें समाज में फैलाई जा रही थी। उन अफवाहों में खास करके आज के युवा वर्ग विशेष रूप से शामिल है जो स्मार्टफोन का धड़ल्ले से उपयोग करते हैं और बिना सोचे समझे गलत जानकारियों से संबंधित पोस्ट को सोशल मीडिया के माध्यम से साझा करते रहते हैं। जिसके कारण लोगों में भिन्न -भिन्न प्रकार की भ्रांतियां उत्पन्न होती रहती है। लेट्स टॉक में शामिल अतिथियों से बिहार के हजारों शिक्षकों ने महत्वपूर्ण सवाल पूछे जिसका अतिथियों के द्वारा कुछ महत्वपूर्ण सवालों का सटीक जवाब दिया गया।

इतना ही नहीं अतिथियों से देश ही नहीं विदेशों में बैठे लोगों ने भी ऑनलाइन लाइव कार्यक्रम में जुड़कर विशेषज्ञों से सवाल किए और उनका जवाब अतिथियों के द्वारा दिया गया जिसमें यूएसए, कैलिफोर्निया के दर्शक शामिल हैं। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश सिंह ने दी।

दैनिक भास्कर गया 02-06-2021

अब सरकारी स्कूल के शिक्षक और बच्चे सीख रहे कोडिंग

बच्चे खुद ही एनिमेशन, कार्टून, वीडियो से लेकर गेम बना रहे हैं

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

निजी स्कूलों की तर्ज पर अब सरकारी स्कूल के शिक्षक और बच्चे भी कोडिंग सीख रहे हैं। बच्चे खुद ही एनिमेशन, कार्टून, वीडियो से लेकर गेम बना रहे हैं। जिले के कई छात्र-छात्राओं ने अपनी आवाज में कार्टून का कोई कैरेक्टर चुनकर संवाद प्रेषण से लेकर किसी भी टॉपिक पर जागरूकता और पढ़ाई से संबंधित वीडियो और एनिमेशन तैयार कर क्रिएटिविटी दिखाई है। मुरौल प्रखंड के मध्य विद्यालय मीरापुर के छात्र गौतम आनंद कोडिंग सीख रहे हैं। उन्होंने कोरोना वायरस पर जागरूकता के लिए एक एनिमेशन बनाया है। इसमें कार्टून की मदद से कोरोना का संक्रमण, उसका बचाव से लेकर अन्य जानकारी दी गई है। छात्रा मुस्कान कुमारी, कुंदन समेत दर्जनों स्टूडेंट्स इससे जुड़ चुके हैं। टीचर्स ऑफ बिहार के शिक्षक सौरभ सुमन मुफ्त में कोडिंग सिखा रहे हैं। शिक्षकों ने इसे सीखकर वीडियो बनाया है।

ये है कोडिंग : ऑनलाइन पढ़ाई को लेकर तैयार हुए सभी प्लेटफॉर्म कोडिंग से ही जुड़े हैं। वहीं, नई शिक्षा नीति में भी इसे शामिल किया गया है। कंप्यूटर साइंस के शिक्षक सौरभ सुमन ने बताया कि कोडिंग में किसी न किसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का इस्तेमाल होता है। बच्चों को दी जाने वाली ट्रेनिंग में स्क्रैच लैंग्वेज का उपयोग किया जा रहा। कोडिंग बैकग्राउंड नहीं होने वाले भी आसानी से सीख सकते हैं। बच्चे गेम खेलने और कार्टून देखने के शौकीन होते हैं। अब कोडिंग सीखकर वे खुद का गेम और कार्टून और एनिमेशन बनाकर सीख सकते हैं।

साइंस, गणित से लेकर अन्य विषयों के शिक्षक भी कोडिंग से अपने पाठ का रूपांतरण वीडियो, एनिमेशन, कार्टून में करते हुए सीखने की प्रक्रिया को आनंदपूर्ण और दिलचस्प बना सकते हैं। संबंधित विषय को उन्हें कोडिंग के फॉर्मेट में रूपांतरण की ट्रेनिंग दी जाती है।

दैनिक भास्कर बिहारशरीफ 02-06-2021

अब सरकारी स्कूल के शिक्षक और बच्चे सीख रहे कोडिंग

बच्चे खुद ही एनिमेशन, कार्टून, वीडियो से लेकर गेम बना रहे हैं

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

निजी स्कूलों की तर्ज पर अब सरकारी स्कूल के शिक्षक और बच्चे भी कोडिंग सीख रहे हैं। बच्चे खुद ही एनिमेशन, कार्टून, वीडियो से लेकर गेम बना रहे हैं। जिले के कई छात्र-छात्राओं ने अपनी आवाज में कार्टून का कोई कैरेक्टर चुनकर संवाद प्रेषण से लेकर किसी भी टॉपिक पर जागरूकता और पढ़ाई से संबंधित वीडियो और एनिमेशन तैयार कर क्रिएटिविटी दिखाई है। मुरौल प्रखंड के मध्य विद्यालय मीरापुर के छात्र गौतम आनंद कोडिंग सीख रहे हैं। उन्होंने कोरोना वायरस पर जागरुकता के लिए एक एनिमेशन बनाया है। इसमें कार्टून की मदद से कोरोना का संक्रमण, उसका बचाव से लेकर अन्य जानकारी दी है। छात्रा मुस्कान कुमारी, कुंदन समेत दर्जनों स्टूडेंट्स इससे जुड़ चुके हैं। टीचर्स ऑफ बिहार के शिक्षक सौरभ सुमन मुफ्त में कोडिंग सिखा रहे हैं। शिक्षकों ने इसे सीखकर वीडियो बनाया है।

ये है कोडिंग : ऑनलाइन पढ़ाई को लेकर तैयार हुए सभी प्लेटफॉर्म कोडिंग से ही जुड़े हैं। वहीं, नई शिक्षा नीति में भी इसे शामिल किया गया है। कंप्यूटर साइंस के शिक्षक सौरभ सुमन ने बताया कि कोडिंग में किसी न किसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का इस्तेमाल होता है। बच्चों को दी जाने वाली ट्रेनिंग में स्क्रैच लैंग्वेज का उपयोग किया जा रहा। कोडिंग बैकग्राउंड नहीं होने वाले भी आसानी से सीख सकते हैं। बच्चे गेम खेलने और कार्टून देखने के शौकीन होते हैं। अब कोडिंग सीखकर वे खुद का गेम और कार्टून और एनिमेशन बनाकर सीख सकते हैं। साइंस, गणित से लेकर अन्य विषयों के शिक्षक भी कोडिंग से अपने पाठ का रूपांतरण वीडियो, एनिमेशन, कार्टून में करते हुए सीखने की प्रक्रिया को आनंदपूर्ण और दिलचस्प बना सकते हैं। संबंधित विषय को उन्हें कोडिंग के फॉर्मेट में रूपांतरण की ट्रेनिंग दी जाती है।

संक्रमण के दौरान मासिक धर्म स्वच्छता का अधिक महत्व

संवाद सूत्र, खोदावंदपुर (बेगूसराय) : टीचर्स ऑफ बिहार एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को 'पीरियड्स इन पैनडेमिक' विषय पर लेट्स टॉक ऑन पीरियड कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त जानकारी टीओबी बेगूसराय के डिस्ट्रिक्ट मेंटर मो. अब्दुल्लाह ने दी।

उन्होंने बताया कोरोना संक्रमण के दौरान मासिक धर्म स्वच्छता का महत्व और भी बढ़ जाता है। संक्रमण काल के दौरान इस बात का ध्यान रखते हुए यूनिसेफ के विशेषज्ञों की टीम ने अपनी सलाह ऑनलाइन माध्यम से दी। कार्यक्रम में यूनिसेफ के कम्युनिकेशन फॉर डेवलपमेंट ऑफिसर सोनिया मेनन, वॉश ऑफिसर सुधाकर रेड्डी, न्यूट्रीशन ऑफिसर डॉ. संदीप घोष ने ऑनलाइन जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन टीओबी मॉडरेटर नम्रता मिश्रा ने किया। सभी विशेषज्ञों ने यौन शिक्षा एवं माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि किशोरियों में पीरियड्स का साइकिल आमतौर पर चार से पांच दिनों का होता है। इस दौरान किशोरियों को कई तरह के शारीरिक, हार्मोनल बदलावों का सामना करना पड़ता है। इस दौरान कमर और पेट में दर्द, उल्टी होना, चक्कर आना और पैरों में दर्द जैसे लक्षण का सामना करना पड़ता है। ऐसे में इस दौरान महिलाओं को अपने हाइजीन का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। पीरियड्स के दौरान साफ-सफाई और स्वच्छता को लेकर खासतौर से सतर्क रहने की जरूरत पर बल दिया। क्योंकि लापरवाही कई बीमारियों को जन्म दे सकती है। यहां तक कि कई बार इंफेक्शन की वजह से महिलाओं को इनफर्टिलिटी संबंधी परेशानी भी हो सकती है। सुधाकर रेड्डी द्वारा सैनेटरी पैड के स्वच्छता प्रबंधन संबंधित जानकारी दी गई। इसमें उन्होंने एमएचएम फ्रेंडली शौचालय पर प्रकाश डाला।

सतर्कता

- माहवारी स्वच्छता दिवस पर टीओबी द्वारा ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित
- कई बार इंफेक्शन की वजह से गर्भ धारण में होती है परेशानी

राष्ट्रपति पदक के लिए 20 जून तक ऑनलाइन आवेदन

संवाददाता ▷ भागलपुर

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए इस बार भागलपुर से आवेदन करने वाले शिक्षकों की संख्या को न सिर्फ बढ़ायी जायेगी. बल्कि पुरस्कार जीतने के लिए भी उन्हें तैयारी करायी जायेगी. भागलपुर से अंतिम बार यह पुरस्कार 2012 के लिए राम कृष्ण आश्रम मध्य विद्यालय की विभा कुमारी को 2013 में मिला था. अभी तक भागलपुर से कई शिक्षकों को राष्ट्रपति पदक प्राप्त हुए हैं. लेकिन नौ वर्षों से यहां से किसी शिक्षक को यह पुरस्कार नहीं मिला है. भागलपुर सहित अन्य जिलों से भी ज्यादा से ज्यादा शिक्षकों के आवेदन किये जाये, इसके लिए टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा शिक्षकों को तैयार कराया जा रहा है. मंगलवार को इसके लिए लाइव कार्यक्रम चलाकर शिक्षकों को इसके लिए न सिर्फ जागरूक किया गया बल्कि वे टिप्स भी बताये, जिससे वे इसमें चयन होने के मजबूत दावेदार बन सकें. इस ऑनलाइन कार्यक्रम में वक्ता के रूप में जुड़े और 2018 में राष्ट्रपति पदक प्राप्त पप्पू हरिजन ने बताया कि भारत सरकार के शिक्षा विभाग ने इसके लिए एक जून से 20 जून तक ऑनलाइन आवेदन मांगा है. यह पुरस्कार सिर्फ नियमित शिक्षकों को दिये जायेंगे. हालांकि इसमें नियोजित शिक्षकों द्वारा भी आवेदन किया जा सकता है. लेकिन इन नियोजित शिक्षकों में से चुनाव कर राज्य सरकार द्वारा उन्हें पुरस्कार दिया जायेगा. इसमें तीन स्तर पर चयनित किये जायेंगे. पहला जिला स्तरीय समिति, राज्य स्तरीय समिति और राष्ट्रीय स्तरीय समिति से चयनित होंगे.

टीचर्स ऑफ बिहार ने संयुक्त राष्ट्र की पहल "वेरीफाइड" के समर्थन में आयोजित किया "लेट्स टॉक" का आयोजन

सन्मार्ग/फारबिसगंज। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र सुमन के सहयोग से टीम की मॉडरेटर नम्रता मिश्रा एवं खुशबू कुमारी सहित पूरी टीम के सराहनीय प्रयास से शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर संयुक्त राष्ट्र की पहल "वेरीफाइड" के समर्थन में जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक्सक्लूसिव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश सिंह ने देते हुए बताया कि इस आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान आईजीआईएमएस पटना के सहायक प्रोफेसर डॉ सेतु सिन्हा, सहायक प्रोफेसर डॉ अर्चना सिन्हा, एम्स पटना के एडिशनल प्रोफेसर डॉ संजीव कुमार स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ मधु गुप्ता एवं प्रतिष्ठित प्रिंट मीडिया "टाइम्स ऑफ इंडिया" के संपादक पीयूष त्रिपाठी शामिल हुए। लेट्स टॉक कार्यक्रम में शामिल अतिथि डॉ मधु गुप्ता स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ ने कहा कि कोविड टीकाकरण के संबंध में बहुत सी भ्रांतियां समाज में फैली हुई है जिसमें मुख्य रूप से लोगों का यह मानना है कि यदि हमें किसी प्रकार की एलर्जी है तो हमें टीकाकरण नहीं लेना चाहिए। जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। ये केवल मिथक मात्र है। डॉ अर्चना सिन्हा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा केवल गर्भवती महिलाओं के लिए कोविड का टीकाकरण वर्जित किया गया है परन्तु स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए अब टीकाकरण की अनिवार्यता शुरू कर दी गई है। डॉ सेतु सिंहा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि कोविड का टीकाकरण लेने के उपरांत भी कोरोना संक्रमण होने का खतरा बना रहता है। इसीलिए टीकाकरण लेने के बावजूद भी सुरक्षा जरूरी है। पीयूष त्रिपाठी संपादक टाइम्स ऑफ इण्डिया ने कहा कि कोरोना वैक्सीन आने से पूर्व लोगों के द्वारा तरह-तरह की अफवाहें समाज में फैलाई जा रही थी। उन अफवाहों में खास करके आज के युवा वर्ग विशेष रूप से शामिल है जो स्मार्टफोन का धड़ल्ले से उपयोग करते हैं और बिना सोचे समझे गलत जानकारियों से संबंधित पोस्ट को सोशल मीडिया के माध्यम से साझा करते रहते हैं।

दैनिक भास्कर अररिया 13-06-2021

जागरूकता को ले वेबिनार • वेरीफाइड के समर्थन में टीचर्स ऑफ बिहार ने किया लेट्स टॉक का आयोजन

पहले डोज में कोविशील्ड लिए तो दूसरा भी यही लें : डॉ. मधु

भास्कर न्यूज | बथनाहा

शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर संयुक्त राष्ट्र की पहल वेरिफाइड के समर्थन में जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक्सक्लूसिव कार्यक्रम लेट्स टॉक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में बिहार के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान आईजीआईएमएस पटना के सहायक प्रोफेसर डॉ. सेतु सिन्हा, सहायक प्रोफेसर डॉ अर्चना सिन्हा, एम्स पटना के एडिशनल प्रोफेसर डॉ संजीव कुमार स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ मधु गुप्ता एवं प्रतिष्ठित प्रिंट मीडिया "टाइम्स ऑफ इंडिया" के संपादक पीयूष त्रिपाठी शामिल हुए। लेट्स टॉक कार्यक्रम में शामिल अतिथि डॉ मधु गुप्ता स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ ने कहा कि कोविड टीकाकरण के संबंध में बहुत सी भ्रांतियां फैली है। यह सभी बेबुनियाद है। यदि प्रथम डोज के रूप में यदि कोविशील्ड का टीका लिया गया है तो दूसरे डोज में भी कोविशील्ड का ही टिका लिया जाना है।

लेटस टॉक कार्यक्रम में उपस्थित डॉक्टर तथा अन्य।

बच्चों के लिए भी जल्द ही टीका की होगी सुविधा

डॉ. अर्चना सिन्हा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा केवल गर्भवती के लिए कोविड का टीकाकरण वर्जित किया गया है परन्तु स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए अब टीकाकरण की अनिवार्यता शुरू कर दी गई है। डॉ. सेतु सिंहा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि कोविड का टीका लेने के उपरांत भी कोरोना संक्रमण होने का खतरा बना रहता है। इसीलिए टीकाकरण के बावजूद सुरक्षा जरूरी है। आने वाले समय में बच्चों के लिए भी टीकाकरण की सुविधा जल्द ही उपलब्ध होगी। इसके लिए ट्रायल चल रहा है।

यूएसए और कैलिफोर्निया के लोगों ने भी पूछा सवाल

लेट्स टॉक के फेसबुक लाइव कार्यक्रम में शामिल अतिथियों से बिहार के हजारों शिक्षकों ने महत्वपूर्ण सवाल पूछे। जिसका अतिथियों के द्वारा कुछ महत्वपूर्ण सवालों का जवाब दिया गया। इतना ही नहीं अतिथियों से देश ही नहीं विदेशों में बैठे लोगों ने भी ऑनलाइन लाइव कार्यक्रम में जुड़कर विशेषज्ञों से सवाल किए और उनका जवाब अतिथियों के द्वारा दिया गया। जिसमें यूएसए और कैलिफोर्निया के दर्शक भी शामिल हुए। लेट्स टॉक के फेसबुक लाइव कार्यक्रम का सफल संचालन के लिए प्रदेश प्रवक्ता रंजेश सिंह ने टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र सुमन, मॉडरेटर नम्रता मिश्रा एवं खुशबू कुमारी सहित पूरी टीम को धन्यवाद दिया है।

दैनिक भास्कर पटना 02-06-2021

अब सरकारी स्कूल के शिक्षक और बच्चे सीख रहे कोडिंग

बच्चे खुद ही एनिमेशन, कार्टून, वीडियो से लेकर गेम बना रहे हैं

ये है कोडिंग

वर्चुअल और टेक्निकल समन्वय टीचर्स ऑफ बिहार की कर रही है टीम : रंजेश सिंह

अररिया, सोनभद्र संवाददाता। टीचर्स ऑफ बिहार ने रचा इतिहास। बिहार दिवस के शुभ अवसर पर पहली बार बिहार के पचास सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम का ऑनलाइन शुभारंभ।डिजिटल शिक्षा की ओर बिहार बढ़ रहा है। इसे ऐतिहासिक बनाते हुए बिहार दिवस के अवसर पर जिला पश्चिमी चंपारण के बगहा-दो प्रखंड के पचास से भी अधिक सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम का ऑनलाइन शुभारंभ किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव, श्री संजय कुमार एवं बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक,संजय कुमार सिंह जूम ऐप के माध्यम से किया गया।। कार्यक्रम का एक्सक्लूसिव सीधा प्रसारण टीचर्स ऑफ बिहार के फेसबुक पेज से संचालित किया ।टीचर्स ऑफ बिहार के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि इस कार्यक्रम का वर्चुअल और टेक्निकल समन्वय टीचर्स ऑफ बिहार की टीम कर रही है ।हमारे विद्यालय बदल रहें हैं, हमारा बिहार बदल रहा है।

टीचर्स ऑफ बिहार, कुटुम्ब ऐप पर चौदह हजार पार : रंजेश सिंह

अररिया, सोनभद्र संवाददाता। बिहार के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों एवं शिक्षकों के लिए समर्पित बिहार की एक मात्र सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कुटुंब एप्प पर शिक्षकों की संख्या कुछ ही समय में देखते ही देखते चौदह हजार के पार हो गई। गौरतलब है कि पिछले दो वर्षों में ही टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा संचालित सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बिहार के शिक्षको का इस तरह से जुड़ना, इस बात को प्रमाणित करता है कि वाकई में हमारा बिहार बदल रहा है और बदल रही हैं बिहार की शिक्षा व्यवस्था। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रवक्ता रंजेश सिंह ने दी।

दैनिक भास्कर

बिहारशरीफ भास्कर 16-06-2021

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 20 तक करें आवेदन, नियोजित शिक्षकों को भी मौका

- ऑनलाइन नॉमिनेशन होगा, दो स्टेज पर होगी स्क्रूटिनी

एजुकेशन रिपोर्टर | बिहारशरीफ

जिले के सरकारी और निजी स्कूलों के शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2021 प्राप्त करने के लिए 20 जून तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इस बार शिक्षक सेल्फ नॉमिनेशन करेंगे। इसके लिए रजिस्ट्रेशन और आवेदन करने की तिथि 20 जून तक निर्धारित की गयी है। शिक्षकों के ऑनलाइन आवेदन को डीईओ की अध्यक्षता वाली जिला चयन कमेटी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से राज्य चयन कमेटी को भेजेगी। इससे पहले डीएससी के सदस्य शिक्षकों के आवेदन की भौतिक जांच करेंगे। ये देखेंगे कि शिक्षक ने जो जानकारी दी वह सही है या नहीं और वह इस पुरस्कार के लिए निर्धारित मापदंड को पूरा करते हैं या नहीं। इस कमेटी में राज्य के प्रतिनिधि के साथ डीएम द्वारा मनोनीत शिक्षाविद् सदस्य होंगे। डीपीओ समग्र शिक्षा हेमचन्द्र ने बताया कि इस संबंध में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार ने पत्र भेज कर शिक्षकों को आवेदन के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए शिक्षकों को वेबसाइट www.mhrd.gov.in पर आवेदन करना होगा।

ये कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन : राज्य सरकार, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन, स्थानीय निकाय, राज्य सरकार व संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की सहायता से संचालित स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, परमाणु ऊर्जा, शिक्षा सोसाइटी, सीबीएसई से संबद्ध स्कूल, काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल्स सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन से संबद्ध विद्यालयों के प्राचार्य व शिक्षक इसमें भाग ले सकेंगे। पहले स्तर की जांच डीईओ की अध्यक्षता में जिला चयन समिति करेगी। इसके बाद नामों की अनुशंसा राज्यस्तरीय समिति को करेगी। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए मूल्यांकन मैट्रिक्स का निर्धारण किया गया है। इसके आधार पर पुरस्कार के लिए प्राचार्य व शिक्षकों को चयनित किया जाएगा।

इस बार सेल्फ नॉमिनेशन कर सकेंगे शिक्षक

50 फीसदी महिला शिक्षक को किया जाएगा चिह्नित

अपर मुख्य सचिव के द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 50 प्रतिशत महिला शिक्षकों को चिन्हित किया जाएगा। इसमें नियोजित शिक्षक भी शामिल होंगे।

डीएससी करेगी फर्स्ट स्टेज की स्क्रूटनी : शिक्षकों से प्राप्त नॉमिनेशन का फर्स्ट स्टेज में डिस्ट्रिक्ट सलेक्शन कमेटी (डीएससी) द्वारा स्क्रूटनी की जाएगी। डीएससी शिक्षकों द्वारा दी गयी जानकारी का भौतिक सत्यापन करके ऑनलाइन पोर्टल के जरिए स्टेट सलेक्शन कमेटी को भेज देगा। डीएससी सलेक्शन कमिटी में डीईओ अध्यक्ष, राज्य के एक प्रतिनिधि और डीएम द्वारा नामित एक शिक्षाविद मेंबर होंगे।

3 शिक्षकों का होगा चयन : इस सिस्टम के तहत हर जिले से 3 शिक्षकों का चयन किया जाएगा। इसके बाद हर राज्य से 6 शिक्षक चयनित होंगे। शिक्षकों का मूल्यांकन 100 अंकों के आधार पर होगा। केंद्र सरकार ने नेशनल अवार्ड की संख्या कम करने के साथ ही प्रतियोगिता को भी सख्त कर दिया है।

जिला चयन कमेटी में रहेंगे ये सदस्य

जिला चयन कमेटी में तीन सदस्य हैं। इसमें डीईओ के साथ राज्य स्तर के एक अधिकारी और डीएम द्वारा चयनित एक प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। फिजिकल वेरिफिकेशन टीम के द्वारा आवेदन में अंकित तथ्यों की जांच की जाएगी। कमिटी के आवेदन की जांच के साथ-साथ मार्किंग भी करेंगे। उसके बाद जिला चयन समिति के द्वारा जांच के बाद मार्क्स का प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए टाइम टेबुल

- पोर्टल पर पुरस्कार के लिए आनलाइन आवेदन : 20 जून तक
- जिला समिति द्वारा प्रदेश समिति को नामांकन भेजना : एक से 15 जुलाई
- प्रदेश समिति या संगठन द्वारा स्वतंत्र राष्ट्रीय ज्यूरी को नामांकन भेजना : 16 से 30 जुलाई
- शिक्षा मंत्री के अनुमोदन पर स्वतंत्र राष्ट्रीय ज्यूरी का गठन : 20 से 25 जुलाई
- सभी चयनित शिक्षकों को ज्यूरी के समक्ष आनलाइन या आफलाइन प्रस्तुति देने की सूचना : दो अगस्त
- राष्ट्रीय ज्यूरी की ओर से चयन प्रक्रिया : पांच से 16 अगस्त
- स्वतंत्र राष्ट्रीय जूरी द्वारा अंतिम सूची बनाना : 16 अगस्त
- शिक्षा मंत्री के अनुमोदन के बाद चयनित शिक्षकों को बताना : 18 अगस्त
- रिहर्सल और पुरस्कार समारोह : चार व पांच सितंबर

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार व राजकीय शिक्षक पुरस्कार 2021 के लिए विभाग से प्राप्त दिशा-निर्देश से सभी डीपीओ, बीईओ व एचएम को अवगत करा दिया गया है। गाइडलाइन के अनुरूप 20 जून तक प्राप्त आवेदनों का जांच कर 15 जुलाई तक चयनित शिक्षकों की सूची राज्य चयन समिति को भेजा जायेगा। अरुण कुमार, डीईओ

Teachers of Bihar
The Change Makers

दैनिक भास्कर — अररिया 21-06-2021

पहल • योग विशेषज्ञों के साथ 'लेट्स टॉक' कार्यक्रम का किया गया आयोजन

'योग जीवन शैली बदल करता है जागरूक'

टीचर्स ऑफ बिहार ने सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को खास बनाने की लिए आयोजित किया लेट्स टॉक

पटना/अररिया, सोनभद्र संवाददाता। सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को खास बनाने के उद्देश्य से आयुष मंत्रालय भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के आलोक में अधिक से अधिक लोगों तक योग के विभिन्न आयामों की समझ को आसानी से विकसित करने के उद्देश्य से बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा अपने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े 70,000 से भी अधिक सक्रिय शिक्षक साथियों के बीच फेसबुक पेज पर रविवार को योग विशेषज्ञों के साथ एक्सक्लूसिव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का आयोजन किया गया।एक्सक्लूसिव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का संचालन कर रहें टीम के मॉडरेटर मृत्युंजयम एवं ज्योति कुमारी के साथ मुख्य अतिथि मुकेश योगी, संस्थापक, सत्यम योग दर्शन सेवाश्रम एवं कौशल किशोर यादव, योगा इंस्ट्रक्टर सी.एच. सी. फतेहपुर, जिला गया शामिल हुए। इस लाइव कार्यक्रम लेट्स टॉक को संबोधित करते मुख्य अतिथि योग विशेषज्ञ मुकेश योगी एवं कौशल किशोर यादव ने कहा कि योगाभ्यास शरीर एवं मन; विचार एवं कर्म; आत्मसंयम एवं पूर्णता की एकात्मकता तथा मानव एवं प्रकृति का पूर्णतावादी दृष्टिकोण है। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि स्वयं के साथ, विश्व और प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है।

दैनिक भास्कर — मुंगेर 21-06-2021

आयोजन • अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को खास बनाने की लिए आयोजित हुआ लेट्स टॉक कार्यक्रम

सुबह 7 बजे से जूम एप पर योगाभ्यास कार्यक्रम का प्रसारण

टीचर्स ऑफ बिहार ने सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को खास बनाने की लिए आयोजित किया लेट्स टॉक

योग गुरु से आज 6 लाख से अधिक बच्चे सीखेंगे योगाभ्यास

TOB NEWS

दैनिक भास्कर — मुजफ्फरपुर 13-06-2021

टीचर्स ऑफ बिहार की ओर से लेट्स टॉक के तहत जागरूकता को वेबिनार

पहला डोज कोविशील्ड लिया है तो दूसरे में भी इसे ही लेना अनिवार्य

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के डॉ मधु गुप्ता ने कहा कि कोविड के टीकाकरण के संबंध में यह भ्रांति है कि यदि किसी तरह का एलर्जी है तो इसे नहीं लेना चाहिए। वास्तव में ऐसा कुछ भी नहीं है। किसी भी परिस्थिति में यदि प्रथम डोज कोविशील्ड का टीका लगवाया गया है, तो दूसरे डोज में भी यही होना चाहिए। वे शनिवार को टीचर्स ऑफ बिहार की ओर से आयोजित लेट्स टॉक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। संयुक्त राष्ट्र की पहल वेरिफाइड के समर्थन में जागरूकता के लिए वेबिनार हुआ। इसमें आईजीआईएमएस पटना के सहायक प्रोफेसर डॉ सेतु सिन्हा ने कहा- टीका लेने के बाद भी कोरोना संक्रमण का खतरा रहता है। ऐसे में सुरक्षा जरूरी है। जल्द ही बच्चों के लिए टीका उपलब्ध होगा। इसका ट्रायल चल रहा है। मुरौल प्रखंड के राजकीय बुनियादी विद्यालय बखरी के शिक्षक केशव कुमार ने बताया कि टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र सुमन, मॉडरेटर नम्रता मिश्रा व खुशबू कुमारी के प्रयास सराहनीय रहे। पीयूष त्रिपाठी ने कहा कि युवा स्मार्ट फोन का इस्तेमाल गलत जानकारी और पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल करने में करते हैं। इससे बचना चाहिए।

सोनभद्र एक्सप्रेस
पटना, रविवार, 13 जून, 2021

टीचर्स ऑफ बिहार ने संयुक्त राष्ट्र की पहल वेरीफाइड के समर्थन में

लेट्स टॉक का आयोजन

अररिया, सोनभद्र संवाददाता

टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र सुमन के सहयोग से टीम की मॉडरेटर नम्रता मिश्रा एवं खुशबू कुमारी सहित पूरी टीम के सराहनीय प्रयास से शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर संयुक्त राष्ट्र की पहल "वेरीफाइड" के समर्थन में जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक्सक्लूसिव कार्यक्रम "लेट्स टॉक" का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में बिहार के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान आईजीआईएमएस पटना के सहायक प्रोफेसर डॉ. सेतु सिन्हा, सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्चना सिन्हा, ऐम्स पटना के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. मधु गुप्ता एवं प्रतिष्ठित प्रिंट मीडिया "टाइम्स ऑफ इंडिया" के संपादक पीयूष त्रिपाठी शामिल हुए।

लेट्स टॉक कार्यक्रम में शामिल अतिथि डॉ॰ मधु गुप्ता स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ ने कहा कि कोविड टीकाकरण के संबंध में बहुत सी भ्रांतियां समाज में फैली हुई है जिसमें मुख्य रुप से लोगों का यह मानना है कि यदि हमें किसी प्रकार की एलर्जी है तो हमें टीकाकरण नहीं लेना चाहिए। जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। ये केवल मिथक मात्र है। डॉ. अर्चना सिन्हा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा केवल गर्भवती महिलाओं के लिए कोविड का टीकाकरण वर्जित किया गया है परन्तु स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए अब टीकाकरण की अनिवार्यता शुरू कर दी गई है।

डॉ. सेतु सिंहा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि कोविड का टीकाकरण लेने के उपरांत भी कोरोना संक्रमण होने का खतरा बना रहता है। इसीलिए टीकाकरण लेने के बावजूद भी सुरक्षा जरूरी है। पीयूष त्रिपाठी संपादक टाइम्स ऑफ इण्डिया ने कहा कि कोरोना वैक्सीन आने से पूर्व लोगों के द्वारा तरह-तरह की अफवाहें समाज में फैलाई जा रही थी। उन अफवाहों में खास करके आज के युवा वर्ग विशेष रूप से शामिल है जो स्मार्टफोन का धड़ल्ले से उपयोग करते है और बिना सोचे समझे गलत जानकारियों से संबंधित पोस्ट को सोशल मीडिया के माध्यम से साझा करते रहते हैं। जिसके कारण लोगों में भिन्न -भिन्न प्रकार की भ्रांतियां उत्पन्न होती रहती है। लेट्स टॉक में शामिल अतिथियों से बिहार के हजारों शिक्षकों ने महत्वपूर्ण सवाल पूछे जिसका अतिथियों के द्वारा कुछ महत्वपूर्ण सवालों का सटीक जवाब दिया गया।

इतना ही नहीं अतिथियों से देश ही नहीं विदेशों में बैठे लोगों ने भी ऑनलाइन लाइव कार्यक्रम में जुड़कर विशेषज्ञों से सवाल किए और उनका जवाब अतिथियों के द्वारा दिया गया जिसमें यूएसए कैलिफोर्निया के दर्शक शामिल हैं। उक्त जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश सिंह ने दी।

दैनिक भास्कर — कटिहार 13-06-2021

चर्चा • वेरीफाइड के समर्थन में टीचर्स ऑफ बिहार ने किया लेट्स टॉक का आयोजन

पहले डोज में कोविशील्ड लिए तो दूसरा भी यही लें : डॉ. मधु गुप्ता

भास्कर न्यूज | बरनाहा

शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर संयुक्त राष्ट्र की पहल वेरिफाइड के समर्थन में जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक्सक्लूसिव कार्यक्रम लेट्स टॉक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान आईजीआईएमएस पटना के सहायक प्रोफेसर डॉ. सेतु सिन्हा, सहायक प्रोफेसर डॉ अर्चना सिन्हा, एम्स पटना के एडिशनल प्रोफेसर डॉ संजीव कुमार स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ मधु गुप्ता एवं प्रतिष्ठित प्रिंट मीडिया "टाइम्स ऑफ इंडिया" के संपादक पीयूष त्रिपाठी शामिल हुए। लेट्स टॉक कार्यक्रम में शामिल अतिथि डॉ मधु गुप्ता स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ ने कहा कि कोविड टीकाकरण के संबंध में बहुत सी भ्रांतियां फैली है। यह सभी बेबुनियाद है। यदि प्रथम डोज के रूप में यदि कोविशील्ड का टीका लिया गया है तो दूसरे डोज में भी कोविशील्ड का ही टिका लिया जाना है।

कार्यक्रम में उपस्थित डॉक्टर।

बच्चों के लिए भी जल्द ही टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

डॉ. अर्चना सिन्हा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा केवल गर्भवती के लिए कोविड का टीकाकरण वर्जित किया गया है परन्तु स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए अब टीकाकरण की अनिवार्यता शुरू कर दी गई है। डॉ. सेतु सिंहा सहायक प्रोफेसर आईजीआईएमएस पटना ने कहा कि कोविड का टीका लेने के उपरांत भी कोरोना संक्रमण होने का खतरा बना रहता है। इसीलिए टीकाकरण के बावजूद सुरक्षा जरूरी है। आने वाले समय में बच्चों के लिए भी टीकाकरण की सुविधा जल्द ही उपलब्ध होगी।

लेट्स टॉक में भारत के साथ यूएसए और कैलीफोर्निया के लोगों ने भी पूछा सवाल

लेट्स टॉक के फेसबुक लाइव कार्यक्रम में शामिल अतिथियों से बिहार के हजारों शिक्षकों ने महत्वपूर्ण सवाल पूछे। जिसका अतिथियों के द्वारा कुछ महत्वपूर्ण सवालों का जवाब दिया गया। इतना ही नहीं अतिथियों से देश ही नहीं विदेशों में बैठे लोगों ने भी ऑनलाइन लाइव कार्यक्रम में जुड़कर विशेषज्ञों से सवाल किए और उनका जवाब अतिथियों के द्वारा दिया गया। जिसमें यूएसए और कैलीफोर्निया के दर्शक भी शामिल हुए।

टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा आयोजित लेट्स टॉक कार्यक्रम में शामिल हुए अहसन

सन्मार्ग/फारबिसगंज। शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित करने का उद्देश्य से देश के कुछ श्रेष्ठ शिक्षकों के योगदान को पहचानना व सराहना है जिन्होंने अपनी प्रतिबद्धता और परिश्रम के माध्यम से न केवल स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है, बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध बनाया है।

ऐसे ही शिक्षकों के हितार्थ बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं तकनीकी टीम लीडर शिवेंद्र सुमन के सहयोग से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पेज पर मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2021 से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा करने हेतु एक्सक्लूसिव कार्यक्रम लेट्स टॉक आयोजित किया गया। इस लेट्स टॉक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अहसन, उप निदेशक, शोध एवं प्रशिक्षण शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, योगेश कुमार, सहायक निदेशक, जन शिक्षा, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, एवं आमंत्रित अतिथि पप्पू हरिजन, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक सह व्याख्याता, पीटीईसी हवेलीखड़गपुर, मुंगेर, हेमंत कुमार, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक, मध्य विद्यालय जितवारपुर, मधुबनी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन बांका जिले के शिक्षक उमाकांत कुमार, टीम टीचर्स ऑफ बिहार एवं चंद्रशेखर प्रसाद साहू राजकीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक, टीम टीचर्स ऑफ बिहार ने किया। लेट्स टॉक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में शामिल अहसन, उप निदेशक, शोध एवं प्रशिक्षण शिक्षा विभाग, बिहार सरकार ने कहा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त करना शिक्षक के जीवन का सबसे बड़ी उपलब्धि है।योगेश कुमार, सहायक निदेशक, जन शिक्षा, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार ने कहा कि शिक्षकों को मिलने वाला राष्ट्रीय पुरस्कार केवल शिक्षक को ही गौरवान्वित नहीं करता है बल्कि शिक्षकों से जुड़े विद्यालय के बच्चे, विद्यालय परिवार, प्रखंड, जिला एवं राज्य को भी गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान होता है। पप्पू हरिजन, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक सह व्याख्याता, पीटीईसी हवेलीखड़गपुर, मुंगेर, ने कहा कि वर्तमान में शिक्षा विभाग के द्वारा राज्य के नियमित शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार एवं नियोजित शिक्षकों के लिए राजकीय पुरस्कार की व्यवस्था की गई है।

दोनों ही श्रेणी के शिक्षक वर्तमान में चल रही आवेदन की प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। आवेदन की तिथि एक जून से बीस जून तक निर्धारित की गई है। अभी तक जो भी शिक्षक आवेदन नहीं कर पाए हैं उनके लिए अभी पांच दिन शेष है वैसे शिक्षक अपना पंजीकरण विभाग के वेबसाइट पर कर सकते है।

दैनिक भास्कर — मुजफ्फरपुर 01-06-2021

टीचर्स ऑफ बिहार

प्रखंडों में बनाए गए मेंटर, बच्चों को ऑनलाइन लर्निंग से जोड़ेंगे

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

टीचर्स ऑफ बिहार की गतिविधियों को जिले के हर सरकारी स्कूलों के बच्चों और शिक्षकों तक पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसे लेकर फाउंडर शिव कुमार के निर्देश पर सभी प्रखंडों में परामर्शदाताओं को नामित किया गया है। जिला परामर्शदाता संतोष कुमार के सुझाव पर मुरौल प्रखंड स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय बखरी के शिक्षक केशव कुमार ने सभी 16 प्रखंडों में टीचर्स ऑफ बिहार का प्रखंड स्तरीय वॉट्सएप ग्रुप बनाया है। सभी बीआरपी और सीआरसीसी को एडमिन बनाया गया है। ये सभी लर्निंग से लेकर ट्रेनिंग और अन्य गतिविधियों को बच्चों तक पहुंचाएंगे। जिले में 1516 शिक्षक व 16 मेंटर मिलकर ऑनलाइन पठन-पाठन से बच्चों को जोड़ेंगे। मुरौल में कृष्ण कुमार भूषण, सकरा में मो. शोएब इकबाल, कुढ़नी में महेंद्र कुमार, मड़वन में रोहित रंजन, सरैया के लिए डॉ. अंचल कुमार, पारू के लिए मो. नाजिर हुसैन, साहेबगंज के लिए लोकेश कुमार, मोतीपुर के लिए पप्पू कुमार, कांटी के लिए संजय कुमार, मीनापुर के लिए विवेक कुमार, कटरा के लिए शशांक शेखर, औराई के लिए अमरेश कुमार, गायघाट के लिए नीरज कुमार, बंदरा के लिए मो. इम्तियाज अहमद, मुशहरी के लिए ओमप्रकाश, बोचहां के लिए सत्यम कुमार को प्रखंड परामर्शदाता के रूप में नामित किया गया। टीचर्स ऑफ बिहार 5वीं से 10वीं के बच्चों को टीम लीडर उमाकांत कुमार के कैचअप आधारित कोर्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक ग्रुप स्कूल ऑन मोबाइल https://www.facebook.com/groups/238842044593684/ के माध्यम से प्रतिदिन दोपहर 1 से 4:30 तक संचालित किया जा राह है। केशव कुमार ने बताया कि ऑनलाइन लर्निंग को अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंचाने के लिए यह प्रयास किया गया है।

हम से जुड़ें

टीचर्स ऑफ बिहार वेबसाईट

www.teachersofbihar.org

टीचर्स ऑफ बिहार फेसबुक पेज

https://www.facebook.com/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार फेसबुक ग्रुप

https://www.facebook.com/groups/1907206889337788/

टीचर्स ऑफ बिहार यूट्यूब चैनल

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार इंस्टाग्राम

https://instagram.com/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार ट्वीटर

https://twitter.com/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार ब्लाग्स

https://teachersofbihar.blogspot.com

टीचर्स ऑफ बिहार फ्री मेम्बरशिप

https://goo.gl/forms/NXvJIfBizTHcL4Vr1

टीचर्स ऑफ बिहार व्हाट्सएप

https://chat.whatsapp.com/ELgbSXBicnh9DFYEjkqmWb

टीचर्स ऑफ बिहार कम्युनिटी फोरम

https://forum.teachersofbihar.org

टीचर्स ऑफ बिहार टेलीग्राम ग्रुप

https://t.me/TeachersofBiharofficial

टीचर्स ऑफ बिहार pinterest

https://in.pinterest.com/Teachersofbihar/

टीचर्स ऑफ बिहार linkedin

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार के स्कूल ऑन मोबाइल (SoM) वेबसाइट

https://som.teachersofbihar.org

टीचर्स ऑफ बिहार के स्कूल ऑन मोबाइल (SoM) वेबसाइट

(20+) School on Mobile (SoM) | Facebook

टीचर्स ऑफ बिहार कॉन्टेस्ट

https://Contest.teachersofbihar.org

टीचर्स ऑफ बिहार क्विज

https://quiz.teachersofbihar.org/

टीचर्स ऑफ बिहार पद्य पंकज वेबसाइट (कविताओं का संसार)

https://padyapankaj.teachersofbihar.org/

टीचर्स ऑफ बिहार गद्य गुंजन वेबसाइट (कहानियों की दुनिया)

https://gadyagunjan.teachersofbihar.org/

टीचर्स ऑफ बिहार योगदूत वेबसाइट

https://yogdoot.teachersofbihar.org/

टीचर्स ऑफ बिहार कुटुम्ब ऐप

https://kutumb.app/teachers-of-bihar?ref=RUC1I

टीचर्स ऑफ बिहार “Koo” ऐप

https://www.kooapp.com/profile/teachersofbihar

टीचर्स ऑफ बिहार “शिक्षा-श्रुति” पॉडकास्ट चैनल

https://anchor.fm/teachers-of-bihar

टीचर्स ऑफ बिहार का व्हाट्सएप नं०

+91 72508 18080, +91 96502 33010

शब्द संयोजन, टंकण, ले-आउट एवं कवर डिजाईन

मो० क़मर अहमद

शिक्षक

उर्दू मध्य विद्यालय मुरौली, कुटुम्बा, औरंगाबाद (बिहार)

मोबाईल - +91 73250 50350

E-mail : qquamarr@gmail.com